

स्वास्थ्य मंत्री का प्रयास लाया रंग मेडिकल कॉलेज मनेंद्रगढ़ को मिला प्रशासनिक दायित्व

अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज के डॉ. रंजना सिंह आर्या व डॉ.अरुणेश सिंह ने किया अपना अपना पदभार ग्रहण

छ.ग.फ्रंटलाइन
मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के विशेष प्रयासों से छत्तीसगढ़ राज्य शासन के चिकित्सा शिक्षा विभाग अंतर्गत नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, मनेंद्रगढ़ की स्थापना को सुदृढ़ एवं प्रभावी रूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। महाविद्यालय के सुचारु, व्यवस्थित और प्रभावी संचालन हेतु शासन द्वारा आवश्यक प्रशासनिक व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए वरिष्ठ एवं अनुभवी चिकित्सा शिक्षकों को अतिरिक्त प्रभार सौंपने संबंधी आदेश जारी किए गए हैं। शासन के आदेशानुसार डॉ. रंजना सिंह आर्या, जो वर्तमान में चिकित्सा महाविद्यालय, अंबिकापुर में संचालक सह प्राध्यापक के पद पर कार्यरत हैं, को उनके वर्तमान दायित्वों के साथ-



साथ शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, मनेंद्रगढ़ के अधिष्ठाता का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। उनके चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशासनिक अनुभव को ध्यान में रखते हुए शासन द्वारा यह जिम्मेदारी प्रदान की गई है, जिससे नवीन चिकित्सा महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक संरचना को सशक्त आधार मिल सके। इसी क्रम में डॉ. अरुणेश सिंह, वर्तमान में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, अंबिकापुर में प्राध्यापक एवं अस्थिरोग

ऐतिहासिक उपलब्धि मानी जा रही है। इससे आम नागरिकों को स्थानीय स्तर पर बेहतर, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं प्राप्त होंगी, वहीं क्षेत्र के विद्यार्थियों को चिकित्सा शिक्षा के नए अवसर भी उपलब्ध होंगे। यह चिकित्सा महाविद्यालय क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में भी अहम भूमिका निभाएगा। स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार से मरीजों को बड़े शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा, जिससे समय और धन दोनों की बचत होगी। राज्य शासन के इस निर्णय का स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों द्वारा स्वागत किया गया है। यह पहल मनेंद्रगढ़ अंचल को स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में एक नई पहचान दिलाने की दिशा में एक सशक्त और दूरदर्शी कदम के रूप में देखी जा रही है।

तेजी से संचालित हो रहे हैं विकास कार्य, समृद्धि की ओर बढ़ रहा छत्तीसगढ़: मुख्यमंत्री

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नगर पंचायत कोतबा के लोकार्पण और भूमिपूजन करने के बाद लोगों को संबोधित किया। इस अवसर पर विधायक श्रीमती गोमती साय और श्रीमती कौशल्या साय मौजूद रहे। इस अवसर पर विधायक श्रीमती गोमती साय और श्रीमती कौशल्या साय विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को गति देने हेतु कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। इसमें कोतबा में स्वामी आत्मानंद उच्छ्रित विद्यालय भवन निर्माण, तहसील लिंक कोर्ट की स्थापना, नगर पंचायत में रेस्ट हाउस निर्माण, इंडोर स्टेडियम का निर्माण, कोतबा जल आवरण योजना हेतु आवश्यक अतिरिक्त राशि वहन, कोकियाखार में सामुदायिक भवन निर्माण, तथा बागबहार में सप्ताह में एक दिन एसडीएम (लिंक कोर्ट) लगाने की घोषणाएं शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने 36वीं सब जूनियर राष्ट्रीय सॉफ्टबॉल चैंपियनशिप के पदक विजेताओं को सम्मानित किया।

खड़गवां जनपद के ग्राम पंचायत बेलबहरा से ग्राम लालपुर मार्ग होगा सुगम, आवागमन को मिलेगा बड़ा लाभ

सुखाड़ नाला पर पुल निर्माण को पांच करोड़ बारह लाख रुपये की मिली प्रशासकीय मंजूरीसमय पर काम नहीं तो जवाबदेही होगी तय योजनाओं की गुणवत्ता और गति दोनों पर होगी अब सख्त निगरानी



निर्माण विभाग द्वारा मनेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत दी गई है। इस परियोजना से क्षेत्रवासियों को मनेंद्रगढ़ मुख्यालय की स्वास्थ्य, शिक्षा सहित अन्य सुविधाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा साथ ही खड़गवां और बैकुंठपुर की दूरी भी घटेगी। पुल निर्माण से क्षेत्र की कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार होगा। इसके पूरा होते ही पंडा गौरेला मरवाही जिला

नजदीक हो जाएगा, जिससे आवागमन सुगम बनेगा। वर्तमान में इस मार्ग पर नियमित परिवहन सुविधा नहीं होने के कारण लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, लेकिन पुल बनने के बाद बस सेवा शुरू होने की संभावना बढ़ेगी। स्थानीय विधायक और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री अरुण साव को मनेंद्रगढ़ मुख्यालय की तरफ से धन्यवाद ज्ञापित कर उनका आभार प्रकट किया है। स्थानीय नागरिकों ने भी इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि पुल निर्माण से विकास को नई गति मिलेगी और ग्रामीण क्षेत्रों का शहरों से सीधा संपर्क स्थापित होगा।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन
जशपुर। मुख्यमंत्री ने पथलगांव के कोतबा में 4 करोड़ 37 लाख 23 हजार की लागत से 50 बिस्तर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण के कार्य का किया भूमिपूजन इस अवसर पर मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय पथलगांव विधायक श्रीमती गोमती साय, जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, माटीकला बोर्ड अध्यक्ष शंभूनाथ चक्रवर्ती, अत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार बेसरा, पूर्व विधायक भरत साय, नगर पंचायत कोतबा अध्यक्ष हितेंद्र पैकरा, कमिश्नर नरेंद्र दुग्गा, आईजी दीपक कुमार झा, कलेक्टर रोहित व्यास, डीआईजी शशिमोहन सिंह, वनमंडलाधिकारी व अन्य थे।

कोयला मंत्रालय के अपर सचिव ने किया गोंडवाना मरीन फॉसिल्स पार्क का दौरा

फॉसिल्स पार्क के संरक्षण और विकास को मिला समर्थन

छ.ग.फ्रंटलाइन
एमसीबी। जिले के हसदेव क्षेत्र में स्थित गोंडवाना मरीन फॉसिल्स पार्क को उस समय विशेष महत्व मिला जब कोयला मंत्रालय भारत सरकार के अपर सचिव हितलर सिंह हसदेव एरिया की कोल माईंस के निरीक्षण प्रवास के दौरान फॉसिल्स पार्क पहुंचे। पार्क आगमन पर पुरातत्व एवं पर्यटन विभाग के जिला नोडल अधिकारी डॉ. विनोद पांडे ने उनका स्वागत किया। दौरे के दौरान अपर सचिव ने गहरी जिज्ञासा और व्याकृत रुचि के साथ गोंडवाना मरीन फॉसिल्स पार्क के ऐतिहासिक, वैज्ञानिक और पर्यटन महत्व की जानकारी ली। डॉ. पांडे ने तथ्यात्मक रूप से बताया कि यह पार्क लगभग 29 करोड़ वर्ष पुराने गोंडवाना कालीन समुद्री जीवाश्मों का अमूल्य साक्ष्य है, जो



न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश की भू-वैज्ञानिक विरासत को दर्शाता है। उन्होंने फॉसिल्स पार्क के अंतर्गत विकसित कैम्ब्रियन गार्डन और इंटरप्रिटेशन बिल्डिंग का भी भ्रमण कराया, जहां जीवाश्मों से जुड़ी जानकारी को आमजन और शोधार्थियों के लिए सरल एवं आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया गया है। डॉ. पांडे द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि वर्ष 2015 में पार्क के समग्र विकास हेतु वन विभाग द्वारा लगभग 8

करोड़ रुपये का प्रस्ताव तैयार किया गया था। इसके साथ ही जिला प्रशासन द्वारा पुरातत्व संग्रहालय के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया की जानकारी देते हुए फॉसिल्स पार्क परिसर या समीप एक समर्पित पुरातत्व संग्रहालय के निर्माण की आवश्यकता और महत्व पर जोर दिया गया। उन्होंने बताया कि संग्रहालय के निर्माण से क्षेत्र की ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित करने के साथ-साथ पर्यटन को भी नई दिशा मिलेगी।

गणतंत्र दिवस की अंतिम रिहर्सल में जिले की 10वीं टॉपर वंदना सिंह रहीं मुख्य अतिथि

जिला प्रशासन की नई पहल मेधावी प्रतिभाओं को मिलेगा सर्वोच्च सम्मान

छ.ग.फ्रंटलाइन
मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। जिले में गणतंत्र दिवस समारोह की भव्य और गरिमामय तैयारियों को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से शनिवार को आमाखेरवा प्रांड, मनेंद्रगढ़ में परेड एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की अंतिम रिहर्सल का व्यापक निरीक्षण किया गया। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट एवं पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह ने संयुक्त रूप से रिहर्सल का अवलोकन कर कार्यक्रम से जुड़ी प्रत्येक व्यवस्था की बारीकी से समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान समारोह का मिनट-टू-मिनट अभ्यास कराया गया ताकि आयोजन पूर्णतः अनुशासित, समयबद्ध और त्रुटिरहित रहे। इस अवसर पर जिले की कक्षा 10वीं की छात्रा वंदना सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रिहर्सल में शामिल हुए, टू आईसी उप निरीक्षक खोमराज ठाकुर के अगुवाई में छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, जिला पुलिस बल पुरुष, जिला पुलिस बल महिला, नगर सेना महिला, एनसीसी एन.ई.एस.महाविद्यालय जशपुर, एनसीसी जूनियर सेजस हिन्दी माध्यम, एनसीसी एयरविंग ज्वाहर नवोदय विद्यालय, एनएसएस म.ल.बा.क.उ.मा.वि., सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय, कल्याण आश्रम, संत जैवियर शांति भवन, एनएसएस एन.ई.एस. महाविद्यालय, कन्या क्रीड़ा परिसर जशपुर एवं बैंग दल के 15 टुकड़ियों गणतंत्र दिवस समारोह के फाइनल रिहर्सल परेड किया गया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने शासन के दिए गए निर्देशों का पालन करने के निर्देश दिए हैं। रिहर्सल में मुख्य अतिथि का आगमन, ध्वजारोहण, मार्च पास्ट एवं सलामी, जनता के नाम मुख्यमंत्री के संदेश



से परिचय प्राप्त कर परेड की तैयारी, अनुशासन और तालमेल का जायजा लिया। रिहर्सल के दौरान विभिन्न परेड टुकड़ियों ने अपने-अपने अभ्यास का प्रदर्शन किया, वहीं स्कूली बच्चों ने गणतंत्र दिवस समारोह में प्रस्तुत किए जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रिहर्सल पूरे उत्साह, अनुशासन और समर्पण के साथ संपन्न की। बच्चों की प्रस्तुतियों में देशभक्ति की भावना और सांस्कृतिक विविधता की झलक स्पष्ट दिखाई दी। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने मुख्य समारोह स्थल पर बैठक व्यवस्था, मंच निर्माण, बैरिकेडिंग, सुरक्षा प्रबंध, सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थल तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का सूक्ष्म निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम स्थल पर सभी वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी को यह भी निर्देश दिए कि समारोह क्षेत्रों में उच्छ्रित कार्यक्रमों को समय-समय पर विशेष ध्यान रखा जाए। वहीं जिला प्रशासन ने शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने हेतु एक

महत्वपूर्ण निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि आगामी वर्षों में जिले में कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में टॉप करने वाले छात्र-छात्राओं को जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाएगा। इस पहल से मेधावी विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ेगा तथा अन्य छात्र-छात्राओं को भी उच्छ्रित प्रदर्शन के लिए प्रेरणा मिलेगी। गौरतलब है कि जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह 26 जनवरी को प्रातः 9 बजे आमाखेरवा प्रांड, मनेंद्रगढ़ में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर रायगढ़ सांसद देवेन्द्र प्रताप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। परेड की सलामी के उपरांत मुख्य अतिथि द्वारा छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री का जनता के नाम संदेश का वाचन किया जाएगा। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उच्छ्रित कार्यक्रमों के अधिकारी, कर्मचारियों एवं समाजसेवियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

26 जनवरी गणतंत्र दिवस के पूर्व किया गया अंतिम रिहर्सल

जशपुरनगर। जिला मुख्यालय जशपुर के रणजीता स्टेडियम में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस गरिमापूर्ण ढंग से मनाने के लिए अंतिम रिहर्सल किया गया। इसमें समूह परेड, बैण्ड, व्यायाम प्रदर्शन, समूह नृत्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कलेक्टर रोहित व्यास और एसएसपी शशिमोहन सिंह के अंतिम रिहर्सल कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्य अतिथि की भूमिका में डिप्टी कलेक्टर हरिओम द्विवेदी थे। इस दौरान सभी ने गणतंत्र दिवस कार्यक्रम का मिनट टू मिनट तैयारियों का निरीक्षण किया। मुख्य परेड कमांडर रश्मि निरीक्षक अमरजोत खूटे, टू आईसी उप निरीक्षक खोमराज ठाकुर के अगुवाई में छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, जिला पुलिस बल पुरुष, जिला पुलिस बल महिला, नगर सेना

महिला, एनसीसी एन.ई.एस.महाविद्यालय जशपुर, एनसीसी जूनियर सेजस हिन्दी माध्यम, एनसीसी एयरविंग ज्वाहर नवोदय विद्यालय, एनएसएस म.ल.बा.क.उ.मा.वि., सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय, कल्याण आश्रम, संत जैवियर शांति भवन, एनएसएस एन.ई.एस. महाविद्यालय, कन्या क्रीड़ा परिसर जशपुर एवं बैंग दल के 15 टुकड़ियों गणतंत्र दिवस समारोह के फाइनल रिहर्सल परेड किया गया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने शासन के दिए गए निर्देशों का पालन करने के निर्देश दिए हैं। रिहर्सल में मुख्य अतिथि का आगमन, ध्वजारोहण, मार्च पास्ट एवं सलामी, जनता के नाम मुख्यमंत्री के संदेश

का वाचन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, पुरस्कार वितरण आदि का रिहर्सल किया गया। 26 जनवरी 2026 गणतंत्र दिवस जिला स्तरीय मुख्य समारोह में लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास, 20 सूत्रीय कार्यान्वयन मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ध्वजारोहण करेंगे और परेड की सलामी लेंगे। कलेक्टर ने शासन द्वारा निर्धारित दिशा निर्देशों का पालन करते हुए गरिमामय एवं सादगी पूर्ण ढंग से कार्यक्रम मनाने संबंधित सभी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। गणतंत्र दिवस मुख्य समारोह स्थल पर बैठक व्यवस्था, पेयजल, विद्युत, अन्य व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

ग्राम पंचायत किशोरी में रोजगार सहायक के द्वारा मेटों को डबल हाजिरी देने से ग्रामीणों में अक्रोश

जिला पंचायत सीईओ से लगावे है गुहार



छ.ग.फ्रंटलाइन
सोनहत। जनपद पंचायत सोनहत के ग्राम पंचायत किशोरी बीस किलोमीटर दुरी पर है जो यह पंचायत आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र से आता है जो कि 2025 में गेबियन बोल्टर चेक डेम निर्माण कार्य कराया जा रहा है अधुरे कार्य को 30/40 निर्माण कार्य का पैसा को गेबियन चेक डेम कुदरी नाला में खपाया जा रहा है एवं रोजगार सहायक टेकचंद पैकरा के द्वारा अपने हिसाब से मेट रखकर वित्तीय अनियमितता को बढ़ावा दे रहे हैं ग्रामीणों के पूछने पर ये सही जवाब या बात नहीं करते हैं किशोरी के ग्रामीणों ने बारह जनवरी छब्बिस को एक लिखित आवेदन जिला पंचायत सीईओ को दिये हैं जिसमें उन्होंने मांग

किया है कि बहुत लंबे समय से एक ही मेटों को रखकर रोजगार सहायक के खास आदमी बन गये है इस कारण पंचायत के काम में मनमानी करते हैं एवं बिना प्रशिक्षण लिये मेट बन गये है पुराने मेटों को तत्काल हटाने की मांग रखे हैं जैसे सोमार साय सुंदर लाल नरेश संत कुमार तेजु लाल शिव बालक इन लोगों को पंचायत के काम से अलग किया जाये एवं किशोरी में आवास हितप्राप्तियों का कहना है कि जो पैसा मनरेगा के तहत शासन देता है उस पैसा का हमलोगों को पता नहीं चलता है कि पैसा

घटना स्थल पर उपलब्ध कराया गया 5 फायर ब्रिगेड वाहन

जशपुरनगर। नगर पंचायत पथलगांव अंतर्गत जशपुर रोड में स्थित सदीप एजेंसी में 23 जनवरी 2026 को सुबह 08 बजे आग लगने की सूचना नगर पालिका पथलगांव उपाध्यक्ष श्री अजय बंसल के द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी को फोन पर दी गई। जिसमें मुख्य नगर पालिका अधिकारी के द्वारा पानी से भरी हुवी फायर ब्रिगेड वाहन घटना स्थल हेतु रवाना किया गया। साथ ही अतिरिक्त 2 टैंकर भी स्थल में आकस्मिक उपयोग हेतु भेजा गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी के द्वारा घटना की सूचना अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पथलगांव

एवं थाना प्रभारी पथलगांव को दी गई। घटना स्थल में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस), तहसीलदार पथलगांव, नायब तहसीलदार पथलगांव, थाना प्रभारी पथलगांव सूचना प्राप्ति के समय से आग बुझाने तक उपस्थित रहे। जिला प्रशासन के द्वारा नगर पंचायत कुनकुरी, नगर पंचायत बगीचा एवं जिला से कुल तीन एवं सरगुजा एवं जिला रायगढ़ से 2 कुल 5 फायर ब्रिगेड घटना स्थल पर उपलब्ध कराया गया। फायर ब्रिगेड वाहन में पानी रिफिलिंग जी.ए.डी. कॉलोनी एवं मैरिज गार्डन पंप हाउस से किया गया।

पीपरसोत के ग्रामीणों का दुःख बांटने पहुंचे नेताम, शोकाकुल परिवार को बंधाया ढांडस



बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। ओरसा घाटी में हुई हृदयविदारक बस दुर्घटना के बाद, प्रदेश के कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम आज ग्राम पीपरसोत पहुंचे।

ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उन्होंने हादसे में अपनों को खोने वाले परिजनों के साथ बैठकर उनका ढांडस बंधाया और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। मंत्री श्री

नेताम ने कहा कि इस आकस्मिक हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है और पीड़ित परिवारों की इस अपूरणीय क्षति की भरपाई करना संभव नहीं है, किंतु राज्य सरकार इस दुःख घड़ी में हर कदम पर उनके साथ खड़ी है। ग्राम पीपरसोत में आत्मीय चर्चा के दौरान जब परिजनों ने अपनों के अंतिम क्रिया-कर्म हेतु वाराणसी (बनारस) जाने की इच्छा जताई, तो मंत्री जी ने संवेदनशीलता दिखाते हुए

बनारस जाने हेतु सुरक्षित परिवहन करने की बात कही। इस दौरान ग्रामीण परिवारों ने मंत्री के समक्ष अपनी समस्याओं को भी रखा जिस पर उन्होंने समाधान के लिए आश्वासन दिया। मंत्री श्री नेताम ने मौके पर ही उपस्थित अनुविभागीय अधिकारी को निर्देशित कर आवश्यक निर्देश भी दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि संवेदनशीलता और प्राथमिकता के साथ प्रभावितों तक मदद पहुंचाएं। इस दौरान

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को घायलों के बेहतर उपचार, देखभाल के सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि उन्हें घर पर ही सुचारु उपचार मिल सके। **घायलों से मिले कृषि मंत्री** जिला चिकित्सालय पहुंचकर मंत्री श्री रामविचार नेताम ने घायलों से मिलकर उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने घायलों और उनके परिजनों से आत्मीय संवाद करते हुए डॉक्टरों को निर्देश दिया कि बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

कराएं। मंत्री ने कहा कि प्रत्येक घायल का शीघ्र स्वस्थ होना हमारी प्राथमिकता है और इसके लिए हर संभव चिकित्सीय संसाधन उपलब्ध कराया जाएगा। इस दौरान मंत्री श्री नेताम ने घायलों को आर्थिक सहायता राशि भी प्रदान की। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री धीरज सिंहदेव, रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश जायसवाल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

बलरामपुर बंद खदान को शुरू कराने आमरण अनशन दूसरे दिन भी जारी



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की बलरामपुर एवं कुमदा खदानों को पुनः शुरू कराने की मांग को लेकर एचएमएस संगठन द्वारा किया जा रहा आमरण अनशन आज दूसरे दिन भी जारी रहा। क्षेत्रीय बिश्रामपुर के सामने चल रहे चरणबद्ध आंदोलन के तहत पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार

शुक्रवार 23 जनवरी से संगठन द्वारा आमरण अनशन शुरू किया गया है, जिसमें एचएमएस के क्षेत्रीय महामंत्री देवेन्द्र मिश्रा सपनीक श्रीमती सुलेखा मिश्रा के साथ आमरण अनशन में बैठे हैं। आमरण अनशन के दूसरे दिन आंदोलन को अपना समर्थन देने बैकूठपुर एरिया से हरि यादव, दिनेश शर्मा, भटगांव क्षेत्र से तेज बहादुर, नीरू श्रीवास्तव, इटक

से अजीत यादव, एचएमएस संगठन से लखन लाल कुर्ते, सूर्यबली यादव, पीके सिंह, केबी सिंह, प्रेमचंद सिंह, रमेश सिंह, शिवाकांत मिश्रा, नरेंद्र सिंह चौहान, फिरोज लाल चौहान, उमेश सिंह, शिवनारायण, होमदास, श्रवण यादव, इरफान, राम शंकर, राम भरोसा, विजय, केपी चौरसिया, राजमणि पटेल, देव चौधरी व अन्य उपस्थित थे।

कलेक्टर और एसपी ने विभिन्न धान खरीदी केन्द्रों का किया औचक निरीक्षण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर चल रहे धान खरीदी का कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा एवं पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बेंकर ने विकासखण्ड

कलेक्टर श्री कटारा एवं पुलिस अधीक्षक श्री बेंकर ने कपिलदेवपुर एवं डोंगरी खरीदी केंद्र पहुंचकर समिति प्रबंधक से धान विक्रय हेतु पंजीकृत किसानों तथा खरीदे गए धान की

मात्रात्मक जानकारी ली, साथ ही साथ कुल काटे गये टोकन की जानकारी लेते हुए समिति प्रबंधक से खरीदी हेतु बनाये गये रोस्टर के का पालन करते हुए खरीदी करने के निर्देश दिये। इस दौरान उन्होंने समिति में रखे बारदानों का निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि कोचियों तथा बिचौलियों से धान की बिल्कुल खरीदी न हो, केंद्र में धान जाम न हो, इसके लिए धान का निरंतर उद्यव करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने धान खरीदी केंद्र में आए कृषकों से चर्चा कर पूछा कि उन्हें धान विक्रय करने में किसी प्रकार की परेशानी तो नहीं हो रही है तथा खरीदी प्रभारी को किसानों से सहयोगपूर्ण व्यवहार करने को कहा।



बलरामपुर के कपिलदेवपुर व वाड़फनगर के डोंगरी धान उपार्जन केंद्र का निरीक्षण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्राथमिकता के साथ किसानों से चर्चा कर उनका हाल-चाल जाना एवं समस्याएं भी सुनी।

आईटीआई रामचन्द्रपुर में 5 फरवरी को होगा प्लेसमेंट कैंप का आयोजन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान रामचन्द्रपुर के प्राचार्य ने जानकारी दी है कि संस्थान में पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट लिमिटेड के द्वारा 05 फरवरी 2026 को 500 पदों की पूर्ति के लिए प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया है। जिसमें असेम्बली ऑपरेटर/मशीन ऑपरेटर/ क्रांति/

हेल्पर/ मॉडलिंग ऑपरेटर के पद रिक्त हैं। इच्छुक उम्मीदवार 05 फरवरी 2026 को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान रामचन्द्रपुर में उपस्थित होकर गुगल फॉर्म के माध्यम से अपना ऑनलाइन/ ऑफलाइन पंजीयन करा सकते हैं। इन पदों के लिए 10वीं एवं 12वीं तथा आईटीआई डिप्लोमा की योग्यता अनिवार्य होगी।

असंगठित श्रमिकों व व्यापारियों के लिए पेंशन योजनाओं का विस्तार

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। श्रम पदाधिकारी ने जानकारी दी है कि असंगठित श्रमिकों एवं व्यापारियों की सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने हेतु भारत सरकार, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना एवं व्यापारियों व स्व नियोजित व्यक्तियों के लिए पेंशन योजना का संचालन किया जा रहा है। उक्त योजनाओं के तहत पात्र

हितग्राहियों का पंजीयन के लिए श्रम विभाग, पंचायती राज संस्थाओं, नगरीय निकायों एवं सीएससी के माध्यम से दो चरणों में विशेष शिविर आयोजित की जाएगी। जिसके अंतर्गत प्रथम चरण में 15 जनवरी से 15 फरवरी 2026 तक शहरी क्षेत्रों में एवं द्वितीय चरण में 16 फरवरी से 15 मार्च 2026 तक ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष पंजीयन शिविर लगाए

जायेंगे। श्रम पदाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को असंगठित श्रमिकों जैसे मितानीन, रसोईया, स्वीपर, सफाई कर्मकार, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता/सहायिका, ए.ए.एम., रोजगार सहायक, कोटवार, हमाल एवं व्यापारियों का विशेष पंजीयन शिविर लगाकर योजना में हितग्राहियों का पंजीयन सुनिश्चित कराने को कहा है।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने सीमावर्ती धान खरीदी केन्द्र एवं चेकपोस्ट का किया निरीक्षण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा एवं पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बेंकर ने आगामी दिनों में होने वाली धान खरीदी को देखते हुए उत्तरप्रदेश व मध्यप्रदेश के सीमावर्ती धान खरीदी केंद्रों व चेकपोस्ट का औचक निरीक्षण किया।

जानकारी ली। उन्होंने समिति प्रबंधक तथा नोडल अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि अवैध धान पर सतर्कता बरतते हुए कोचियों

किया। उन्होंने चेक पोस्टों में सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर एवं एसपी ने बलंगी बॉर्डर, धनवार, हल्दीमोड़, त्रिशूली एवं रामानुजगंज चेकपोस्ट का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने इन चेक पोस्टों पर तेनात कर्मचारियों को अवैध धान की आवाजाही पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि पड़ोसी राज्यों से आने वाले प्रत्येक वाहनों की सघन जांच की जाए। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि रजिस्टर पंजी में वाहन का नाम, नंबर और आने का उद्देश्य अवश्य रूप से दर्ज करें। साथ ही उन्होंने कर्मचारियों को उपस्थिति पंजी की जांच की और निर्देशित किया कि ड्यूटी रोस्टर के अनुरूप अधिकारी या कर्मचारी उपस्थित रहें। उन्होंने चेक पोस्टों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरों को कार्यप्रणाली का अवलोकन किया। उन्होंने चेक पोस्टों पर सतर्कता बनाए रखने और अवैध धान की आवाक पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

महिला एवं बाल विकास मंत्री ध्वजारोहण कर लेंगी परेड की सलामी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में 77 वां गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2026 गरिमामय वातावरण में मनाया जाएगा। गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह पुलिस लाइन ग्राउंड बलरामपुर में आयोजित किया जायेगा। मुख्य समारोह में महिला एवं बाल विकास विभाग व समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लेंगी। तत्पश्चात् मुख्य अतिथि श्रीमती राजवाड़े मुख्यमंत्री द्वारा जनता के नाम प्रेषित संदेश का वाचन करेंगी तथा देश के लिए शहीद हुए परिवारों को सम्मानित करेंगी। इसके साथ ही मुख्य समारोह में स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों प्रस्तुति होगी। वहीं शासन की विभिन्न योजनाओं पर आधारित योजनाओं का झांकी के माध्यम से प्रदर्शित की जाएगी तथा जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी/कर्मचारियों को मुख्य अतिथि द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

77 वें गणतंत्र दिवस का फाइनल रिहर्सल सम्पन्न

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने लिया तैयारियों का जायजा

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में 26 जनवरी 2026 गणतंत्र दिवस गरिमामय वातावरण में मनाया जाएगा। जिसके तैयारी के लिए कार्यक्रम के रूपरेखा के अनुसार पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में फाइनल रिहर्सल किया गया। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा और पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बेंकर ने संयुक्त रूप से जिला मुख्यालय स्थित आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस मुख्य समारोह के फाइनल रिहर्सल का निरीक्षण किया।

इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर ने मुख्य अतिथि की भूमिका निभाई और राष्ट्रीय ध्वज फहराकर सलामी दी। परेड कमांडर द्वारा मुख्य अतिथि को परेड निरीक्षण हेतु रिपोर्ट किया गया। तत्पश्चात् मुख्य अतिथि ने निरीक्षण

किया। परेड निरीक्षण के पश्चात् मुख्य अतिथि ने मुख्यमंत्री के संदेश का प्रतीकात्मक वाचन किया। परेड के मार्च

किया गया। तत्पश्चात् स्कूली बच्चों के द्वारा देशभक्ति गीतों तथा छत्तीसगढ़ी के विकास गौरव गाथा पर आधारित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें शानदार कार्यक्रमों की प्रस्तुति हेतु शुभकामनाएं दी। कलेक्टर श्री कटारा ने उपस्थित विभिन्न विभाग के अधिकारियों को समारोह को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के लिए आवश्यक निर्देश दिये। पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बेंकर ने आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश पुलिस अधिकारियों को दिये। इस अवसर पर कलेक्टर श्री आर एस लाल, श्री अभिषेक गुप्ता, सहित जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी, विभिन्न विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।



किया। इस दौरान पुलिस के जवानों द्वारा राष्ट्रगान के धुन पर तीन बार हर्ष फायर किया गया।

पास्ट के पश्चात् मुख्य अतिथि के साथ परेड कमांडरों का परिचय एवं रूप फोटो का

धान खरीदी के अंतिम दिनों में बिचौलियों और कोचियों की सक्रियता बढ़ने की आशंका के दृष्टिगत व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचे कलेक्टर और एसपी ने अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में धान के अवैध परिवहन पर कड़ी निगरानी रखें। धान खरीदी केंद्रों में पहुंचकर कलेक्टर श्री कटारा ने समिति प्रबंधकों से खरीदी व उठाव के बारे में जानकारी ली। उन्होंने धान के आवाक से खरीदी प्रभावित न हो इस आशय से धान का सतत उठाव करने के निर्देश दिये। ताकि आगामी दिनों में होने वाली खरीदी प्रभावित न हो। उन्होंने समिति प्रबंधक से धान विक्रय हेतु पंजीकृत कुल किसानों की संख्या तथा खरीदे गए धान की मात्रात्मक



तथा बिचौलियों कड़ी नजर रखें। उन्होंने धान खरीदी केंद्र में आए कृषकों से धान खरीदी के संबंध में चर्चा कर जाना कि किसी प्रकार की परेशानी तो नहीं हो रही है इस दौरान उन्होंने समिति प्रबंधक को भी आवश्यक निर्देश दिए।

विभिन्न चेकपोस्ट का किया निरीक्षण जिले में अवैध धान की आवाक को रोकने और किसानों को सुगम खरीदी प्रक्रिया प्रदान करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा एवं एसपी श्री वैभव बेंकर ने सीमावर्ती चेक पोस्टों का औचक निरीक्षण

किया। उन्होंने चेक पोस्टों में सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर एवं एसपी ने बलंगी बॉर्डर, धनवार, हल्दीमोड़, त्रिशूली एवं रामानुजगंज चेकपोस्ट का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने इन चेक पोस्टों पर तेनात कर्मचारियों को अवैध धान की आवाजाही पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि पड़ोसी राज्यों से आने वाले प्रत्येक वाहनों की सघन जांच की जाए। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि रजिस्टर पंजी में वाहन का नाम, नंबर और आने का उद्देश्य अवश्य रूप से दर्ज करें। साथ ही उन्होंने कर्मचारियों को उपस्थिति पंजी की जांच की और निर्देशित किया कि ड्यूटी रोस्टर के अनुरूप अधिकारी या कर्मचारी उपस्थित रहें। उन्होंने चेक पोस्टों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरों को कार्यप्रणाली का अवलोकन किया। उन्होंने चेक पोस्टों पर सतर्कता बनाए रखने और अवैध धान की आवाक पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।



कलेक्टर श्री कटारा ने समस्त कार्यालय प्रमुखों को अपने अधीनस्थ अधिकारी-कर्मचारियों के साथ उपस्थित होना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शैक्षणिक संस्थाओं के भावी मतदाताओं को भी उपस्थित कराने को कहा है।

मेरा भारत मेरा वोट थीम पर मनाया जाएगा 16 वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर 25 जनवरी 2026 को भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, रायपुर द्वारा दिए गए निर्देशानुसार राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाना है। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में भी कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन एवं स्वीप की नोडल अधिकारी व जिला

पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के नेतृत्व में संयुक्त जिला कार्यालय के सभा कक्ष में दोपहर 12 बजे से 16वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम मेरा भारत मेरा वोट की थीम पर आयोजन किया गया है। इस अवसर पर सभी अधिकारी-कर्मचारी के द्वारा मतदान के प्रति शपथ लिया जाएगा। इस सम्बंध में

कलेक्टर श्री कटारा ने समस्त कार्यालय प्रमुखों को अपने अधीनस्थ अधिकारी-कर्मचारियों के साथ उपस्थित होना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शैक्षणिक संस्थाओं के भावी मतदाताओं को भी उपस्थित कराने को कहा है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर राज्य स्तरीय समारोह में सरगुजा संभाग से बलरामपुर रामानुजगंज जिले के विधानसभा क्षेत्र सामरी के सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रारण अधिकारी एवं नायब तहसीलदार श्री दानिश परवेज, जिला निर्वाचन कार्यालय के सहायक प्रोग्रामर श्री आशीष कुमार द्विवेदी को सम्मानित किया जाएगा।

सारथी दिवस पर प्रेरणास्रोत वाहन चालकों को कलेक्टर एवं एसपी ने किया सम्मानित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। 37 वां राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के दौरान पुलिस प्रशासन (यातायात विभाग) द्वारा उल्लेखनीय पहल करते हुए सारथी दिवस पर सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 25 वाहन चालकों को सम्मानित किया गया। पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित सारथी सम्मान दिवस में कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा एवं पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बेंकर ने वाहन चालकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर मौजूद रही। सम्मानित किए गए वाहन चालकों का चयन उनके अनुशासन, यातायात नियमों का सख्ती से पालन, नशा मुक्त वाहन चलाने और दुर्घटनाओं में घायलों की मदद करने जैसे गुणों के आधार पर किया गया। ये सारथी न केवल अपने कार्य में कुशल हैं, बल्कि

समाज को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। जिसमें सरकारी, निजी और व्यावसायिक क्षेत्रों से जुड़े विभिन्न प्रकार के वाहन चालकों को सम्मानित किया गया। इनमें यात्री बस, स्कूल बस, अग्निशमन, एम्बुलेंस, पुलिस वाहन के चालक शामिल हैं। इन 25 सारथियों ने अपने उत्कृष्ट व्यवहार से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जिले में भी राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के दौरान स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। सेमिनार और कार्यशालाओं के माध्यम से लोगों को सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में बताया जा रहा है और यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

समाज में एक मिसाल कायम की है। कलेक्टर श्री कटारा ने इन वाहन चालकों को अन्य चालकों के लिए प्रेरणा स्रोत बनाते हुए कहा कि उनका जिम्मेदारी पूर्ण व्यवहार अन्य वाहन चालकों को भी प्रेरित करेगा। कलेक्टर ने सभी से अपील की है कि वे सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करें और दूसरों को भी पालन के लिए प्रेरित करें।



समाज में एक मिसाल कायम की है। कलेक्टर श्री कटारा ने इन वाहन चालकों को अन्य चालकों के लिए प्रेरणा स्रोत बनाते हुए कहा कि उनका जिम्मेदारी पूर्ण व्यवहार अन्य वाहन चालकों को भी प्रेरित करेगा। कलेक्टर ने सभी से अपील की है कि वे सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करें और दूसरों को भी पालन के लिए प्रेरित करें।

समाज में एक मिसाल कायम की है। कलेक्टर श्री कटारा ने इन वाहन चालकों को अन्य चालकों के लिए प्रेरणा स्रोत बनाते हुए कहा कि उनका जिम्मेदारी पूर्ण व्यवहार अन्य वाहन चालकों को भी प्रेरित करेगा। कलेक्टर ने सभी से अपील की है कि वे सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करें और दूसरों को भी पालन के लिए प्रेरित करें।

भारत माला घोटाला: तीन लोकसेवकों के खिलाफ प्रथम पूरक चालान पेश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। भारतमाला परियोजना के तहत रायपुरखण्डविशाखापट्टनम प्रस्तावित इकोनॉमिक कॉरिडोर में हुए मुआवजा घोटाले के मामले में एसीबीआईओडब्ल्यू की टीम ने तीन लोकसेवकों के खिलाफ प्रथम पूरक चालान विशेष न्यायालय (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम), रायपुर में प्रस्तुत किया है। ब्यूरो में पंजीबद्ध अपराध क्रमांक 30/2025 के तहत यह कार्रवाई की गई है। मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 7 सी और 12 तथा भारतीय दंड संहिता की धारा



409, 467, 471, 420 और 120-बी के तहत आरोप दर्ज हैं। जांच में सामने आया है कि लोकसेवकों, मुआवजा प्राप्त करने वाले व्यक्तियों और अन्य आरोपियों ने आपराधिक षड्यंत्र के तहत भू-अर्जन प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं कीं। आरोप है कि शासन द्वारा पूर्व में अर्जित भूमि को दोबारा शासन को विक्रय कर मुआवजा दिया गया, निजी भूमि पर गलत मुआवजा स्वीकृत किया

गया, बैंकडेट में बंटवारा और नामांतरण किए गए, भूमि स्वामी के स्थान पर अन्य व्यक्तियों को मुआवजा दिलाया गया और कृत्रिम उपखंड बनाकर शासन को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचाया गया। विवेचना में यह तथ्य सामने आया कि दिनेश पटेल (तत्कालीन पटवारी, हल्का नं. 49, ग्राम नायकबांधा), लेखराम देवांगन (तत्कालीन पटवारी, ग्राम टोकरो, हल्का नं. 24) और बसंती

घृतलहरे (तत्कालीन पटवारी, ग्राम भेलवाडीह) ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए भूमाफियाओं और निजी व्यक्तियों से साठगांठ कर कूटप्रचलित दस्तावेज तैयार किए। तीनों को 29 अक्टूबर 2025 को गिरफ्तार किया गया था।

जांच में सामने आई भूमिकाएं

दिनेश पटेल पर आरोप है कि उन्होंने खाता दुरुस्ती, प्रपत्र-10 और आपत्ति निराकरण की प्रक्रिया का दुरुपयोग करते हुए अधिग्रहीत भूमि को कृत्रिम उपखंडों में दशार्थी, जिससे अधिक मुआवजा भुगतान हुआ। इससे शासन को करीब 30.82 करोड़ रुपये की आर्थिक क्षति हुई। लेखराम देवांगन

पर आरोप है कि उन्होंने मूल खसरो को कृत्रिम उपखंडों में दिखाकर वास्तविक देय राशि से कहीं अधिक मुआवजा दिलाया। इससे शासन को लगभग 7.16 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। बसंती घृतलहरे पर आरोप है कि उन्होंने अवार्ड चरण में मूल खसरो को कृत्रिम रूप से विभाजित दिखाकर अधिक मुआवजा भुगतान की स्थिति बनाई, जिससे शासन को करीब 1.67 करोड़ रुपये की क्षति हुई। एसीबीआईओडब्ल्यू ने स्पष्ट किया है कि गिरफ्तार तीनों लोकसेवकों के खिलाफ प्रथम पूरक चालान पेश किया जा चुका है, जबकि प्रकरण में अन्य आरोपियों के विरुद्ध विवेचना अभी जारी है।

मां दंतेश्वरी मंदिर में बड़ी चोरी, लाखों के सोने-चांदी के आभूषण ले उड़े चोर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जगदलपुर। बस्तर जिले के जगदलपुर में स्थित आस्था के प्रमुख केंद्र मां दंतेश्वरी मंदिर में चोरी की समसनीखेज वारदात सामने आई है। अज्ञात चोरों ने मंदिर के पीछे का दरवाजा तोड़कर लाखों रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह वारदात सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के राजमहल परिसर स्थित मां दंतेश्वरी मंदिर की है। शनिवार सुबह जब पुजारी और श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचे, तो उन्होंने पीछे का दरवाजा टूटा हुआ पाया। मंदिर के गर्भगृह से सोने-चांदी के आभूषण



गायब थे, जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि चोर गर्भगृह के पास स्थित पुराने द्वार को तोड़कर मंदिर के भीतर दाखिल हुए और वहां रखे कीमती गहनों पर हाथ साफ कर दिया। चोरी गए आभूषणों की कुल कीमत का आंकेलन फिलहाल किया जा रहा है। पुलिस आसपास लगे

सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और आरोपियों की पहचान व गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। मंदिर जैसी पवित्र जगह में हुई इस चोरी की घटना से श्रद्धालुओं में भारी रोष और चिंता का माहौल है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। विविध में शिक्षकों की नियुक्ति में अनियमितता: शासकीय न दो माह के भीतर निर्णय लेने दिया आदेश

राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर जिले में विशेष विधिक जागरूकता शिविरों का हुआ आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर - राष्ट्र विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली तथा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सरगुजा के मार्गदर्शन में 24 जनवरी 2026 को बालिका दिवस के अवसर पर विशेष विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। विधिक जागरूकता शिविर महिला एवं बाल विकास विभाग सरगुजा तथा शिक्षा विभाग सरगुजा के सहयोग से जिले के विभिन्न तहसीलों में आयोजन कर लोगों को महिला संबंधी विधिक जानकारी प्रदान की गई। महिला बाल विकास विभाग के सहयोग से राजमोहनी

देवी भवन अम्बिकापुर में सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ-साथ विधिक जागरूकता शिविर का भी आयोजन किया गया था। इसके साथ ही शा.उ.मा.वि. उदयपुर, शा. उ. मा.वि. पुलिस लाइन, शा. उ. मा.वि. शिवनाथपुर, शा. आई.टी.आई अम्बिकापुर, केदारपुर स्कूल अम्बिकापुर, विधि विभाग पी.जी. कॉलेज अम्बिकापुर, शा. मट्टीमरगज मिडिल स्कूल अम्बिकापुर, स्वामी आत्मानंद स्कूल धौरपुर, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल लखनपुर में आयोजित विधिक जागरूकता शिविरों के माध्यम से लगभग 1500 लाभान्वितों को महिला संबंधी विधि पर जागरूक किया गया।

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एक्शन रिसर्च पर तीन दिवसीय कार्यशाला संपन्न

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर - राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अंबिकापुर में मुहिम फाउंडेशन फॉर पार्टिसिपेटरी एक्शन एंड ट्रांसफॉर्मेशन के सहयोग से एक्शन रिसर्च सर्टिफिकेट कोर्स पर तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला महाविद्यालय के सोशल इनोवेशन एवं कम्प्युनिटी एंगेजमेंट सेल द्वारा प्रस्तावित प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का हिस्सा है। युवा छात्रों को उनके समुदायों में सार्थक परिवर्तन लाने हेतु व्यावहारिक शोध कौशल से लैस करने के लिए डिजाइन इस कार्यक्रम में रशडट नरसी मोनजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज बैंगलोर के सहायक प्राध्यापक श्री

आनंद प्रकाश ने तीन दिन तक प्रशिक्षण प्रदान किया। यह कार्यशाला करके सीखने पर आधारित थी जिससे कुल 37 छात्रों ने स्थानीय समस्याओं की पहचान करने व उसका व्यवस्थित अध्ययन कर समस्या का व्यावहारिक समाधान विकसित करने की प्रक्रिया को समझा। साथ ही प्रतिभागियों ने मुद्दों की पहचान, समस्या प्रश्न निर्माण, शोध पद्धति और डेटा संकलन में दक्षता विकसित की। कार्यशाला में विषय से सम्बंधित अलग-अलग सत्र आयोजित किए गए जैसे सामुदायिक मुद्दों को समझना और चुनना, स्थानीय मुद्दों को शोध योग्य समस्याओं के रूप में प्रस्तुत करना, शोध प्रश्न विकसित करना, डेटा और साक्ष्य की बुनियादी बातें, डेटा

संकलन प्रथाएं, शोध नैतिकता तथा लघु शोध योजना तैयार करना। कार्यशाला में शामिल सभी विद्यार्थियों ने अपनी शोध योजना तैयार कर विशेषज्ञों के समक्ष प्रस्तुत किया। घकोर्स के दौरान विद्यार्थी इन्हीं योजनाओं को लेकर अपने सामाजिक समूह के बीच कार्य करेंगे। समापन समारोह में अपर संचालक उच्च शिक्षा प्रोफेसर रिजवान उल्ला, सोशल इनोवेशन एवं कम्प्युनिटी एंगेजमेंट सेल के समन्वयक डॉ. दीपक सिंह, प्रोफेसर राज कमल मिश्रा और प्रोफेसर राजेश सिंह, मुहिम फाउंडेशन के कार्यकारी निदेशक श्री ऋषिकेश ठाकुर उपस्थित रहे। सभी ने विद्यार्थियों को उच्चल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

डॉ पुष्पा सिंह प्रेरणा की दो पुस्तकों का विमोचन समारोह सम्पन्न

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

पुष्पा सिंह प्रेरणा की दो पुस्तकों - उपन्यास रंजित पथिकर और आत्मकथ्य रंजित में पसंद हैं का विमोचन होटल वीरेंद्र प्रभा के सभागार में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर साहित्य जगत के कई प्रतिष्ठित व्यक्तित्व उपस्थित थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नीलोत्पल मृगाल थे, जिन्हें रंजित डॉ. रंजित सिंह के लिए साहित्य अकादमी का युवा पुरस्कार प्राप्त हुआ है। विशिष्ट अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर एवं नयन तारा सिंह तोमर जिला पंचायत बलरामपुर सीईओ उपस्थित थे। नीलोत्पल मृगाल ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि



विषय तो वही हैं जिन पर बरसों से लिखा जा रहा है, आप केवल नयी उपमा दे सकते हैं, उपमा बदल सकते हैं अर्थात् उपमा में नयापन लाना लेखन को विशिष्ट बनाता है। उन्होंने डॉ. पुष्पा सिंह के लेखन की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि आपने भीतर के ब्रह्म का सम्मान करके इन्होंने यह बात कही की रंजित में पसंद हैं रंजित इन्होंने लेखन को बहुत कठिन काम बताया, लेकिन कहा कि यह बहुत सुंदर है और डॉ. पुष्पा सिंह प्रेरणा निरन्तर

लिख रही हैं, इसलिए मैं उन्हें दिल से शुभकामना देता हूँ। उल्लेखनीय है कि डॉ. पुष्पा सिंह प्रेरणा ने अब तक 11 विभिन्न विषयों पर पुस्तकों की रचना की है। उनकी इस उपलब्धि ने उन्हें साहित्य जगत में एक विशिष्ट स्थान दिलाया है। कार्यक्रम में स्थानीय कवि श्याम बिहारी पाण्डेय (रंजित फारेस्ट), कृष्ण कांत पाठक तथा संतोष दास सरल ने काव्यपाठ किया। सम्पूर्ण कार्यक्रम का सफल संचालन वरिष्ठ कवि राजेश पाण्डेय अग्र ने किया।

मुख्यमंत्री साय ने कोतबा क्षेत्र को दी विकास की बड़ी सौगात

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

पथलगांव/ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज विधानसभा क्षेत्र पथलगांव अंतर्गत नगर पंचायत कोतबा में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र को विकास की बड़ी सौगात दी। इस दौरान उन्होंने कुल 51 करोड़ 73 लाख रुपये की लागत से पूर्ण होने वाले 28 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री के इस दौर से पथलगांव विधानसभा क्षेत्र सहित कोतबा और आसपास के ग्रामीण अंचलों में बुनियादी सुविधाओं, स्वास्थ्य, सड़क, शिक्षा और पेयजल व्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम के

दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाना है। सुदूर और आदिवासी अंचलों में अधोसंरचना विकास, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, सुगम आवागमन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि इन कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र के नागरिकों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आएगा।

27 करोड़ 24 लाख रुपये के 19 कार्यों का भूमिपूजन
कोतबा में मुख्यमंत्री द्वारा 27

करोड़ 24 लाख रुपये की लागत से 19 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। इनमें पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत ग्राम दोकड़ा में मिनी स्टेडियम, मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना के तहत पुलिया निर्माण, लोक निर्माण विभाग द्वारा विभिन्न सड़कों एवं पहुंच मार्गों का निर्माण, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा परियोजना कार्यालय सह संसाधन केंद्र भवन, तथा कोतबा में 50 बिस्तरीय नवीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण प्रमुख है। इसके साथ ही सेतु निर्माण उपसंभाग द्वारा उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के तहत शासकीय उद्यान



रोपणी कार्यालय व आवास भवन, आदिम जाति कल्याण विभाग अंतर्गत धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत

बागबहार एवं बुलडेगा में कन्या आश्रम एवं लुडेगा में प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास, मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं ग्राम गौरव पथ योजना

के तहत सी.सी. सड़क व नाली निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं।

24 करोड़ लाख रुपये के 9 कार्यों का लोकार्पण

मुख्यमंत्री ने 24 करोड़ 49 लाख रुपये की लागत से पूर्ण हुए 9 कार्यों का लोकार्पण भी किया। इनमें पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा सी.सी. सड़क निर्माण, लोक निर्माण विभाग द्वारा विभिन्न ग्रामीण व मुख्य सड़कों का निर्माण एवं मजबूतीकरण, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा बागबहार में तहसील कार्यालय भवन, लोक

स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा कोतबा जल आवर्धन योजना, तथा ग्रामीण यांत्रिकी सेवा द्वारा लुडेगा में महतारी सदन निर्माण जैसे कार्य शामिल हैं।

स्वास्थ्य, सड़क और जल आपूर्ति को मिलेगा बड़ा लाभ

विशेष रूप से 50 बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण से कोतबा और आसपास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का बड़ा विस्तार होगा। वहीं, नई सड़कों, पुल-पुलियों और पहुंच मार्गों के निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और

आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। जल आवर्धन योजना से पेयजल समस्या के समाधान में भी उल्लेखनीय सुधार होगा। इसके साथ ही महतारी सदन से ग्रामीण महिलाओं को आजीविका संवर्धन के केंद्र का लाभ मिलेगा। नवीन तहसील कार्यालय भवन से लोगों को राजस्व सेवाओं के लिए बेहतर सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विकास कार्यों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए, ताकि जनता को शीघ्र इनका लाभ मिल सके। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर रूपा यादव बनीं एक दिन की प्रधानपाठक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजगढ़ - जिला मिशन समन्वयक मनोज साहू के मार्गदर्शन में आज राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर शासकीय माध्यमिक शाला पतरपाली में एक प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की कक्षा आठवीं की छात्रा रूपा यादव को एक दिन के लिए विद्यालय का प्रधानपाठक बनाया गया।



किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मध्याह्न भोजन (मिड डे मील) की व्यवस्था, कक्षाओं में चल रहे शिक्षण कार्य, विद्यालय के शौचालयों की स्थिति तथा पेयजल व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़ाई, अनुशासन और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की बात कही तथा भृत्य एवं छात्र-

छात्राओं को विद्यालय परिसर स्वच्छ रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में पानी की समस्या सामने आने पर रूपा यादव ने इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए जिला कलेक्टर के नाम पत्र लिखकर पेयजल व्यवस्था सुधारने की मांग की, ताकि विद्यार्थियों को पानी की समस्या से निजात मिल सके।

जिले में धान उपार्जन कार्य प्रगति पर, 29.05 लाख क्विंटल से अधिक धान की खरीदी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर - जिले में शासन द्वारा संचालित धान उपार्जन व्यवस्था के अंतर्गत किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य सुचारू एवं पारदर्शी रूप से जारी है। वर्तमान उपार्जन सत्र में अब तक जिले में कुल 29,05,390 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है, जबकि 11,02,830 क्विंटल धान का उठाव संबंधित मिलों एवं एजेंसियों द्वारा किया गया है। जिला खाद्य अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में धान उपार्जन के लिए कुल 60,335 किसान पंजीकृत हैं, जिनमें से अब तक 48,100 किसानों द्वारा समर्थन मूल्य पर धान का विक्रय किया जा चुका है। शासन के निर्देशानुसार उपार्जन केंद्रों की निर्धारित व्यवस्था से किसानों की समयबद्ध एवं सुविधाजनक सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि रकबा समर्पण की प्रक्रिया अंतर्गत जिले में कुल

20,945 किसानों द्वारा 2,348.81 हेक्टेयर कृषि भूमि का रकबा समर्पण किया गया है। रकबा समर्पण की कार्यवाही शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप पूर्ण पारदर्शिता के साथ की जा रही है। धान उपार्जन के दौरान किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए टोकन व्यवस्था, डिजिटल पंजीयन, तौल तथा भुगतान प्रणाली को प्रभावी रूप से लागू किया गया है, जिससे किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। जिला प्रशासन द्वारा उपार्जन व्यवस्था की सतत निगरानी की जा रही है तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए गए हैं। जिला प्रशासन द्वारा किसानों से अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथियों के अनुसार संबंधित उपार्जन केंद्रों में धान विक्रय करें तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संबंधित उपार्जन केंद्र अथवा विभागीय अधिकारियों से संपर्क करें।

घटना स्थल पर उपलब्ध कराया गया 05 फायर ब्रिगेड वाहन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

पथलगांव / नगर पालिका परिषद पथलगांव से प्राप्त जानकारी अनुसार नगर पंचायत पथलगांव अंतर्गत जशपुर रोड में स्थित संदीप एजेंसी में 23 जनवरी 2026 को सुबह 08 बजे आग लगने की सूचना नगर पालिका पथलगांव उपध्यक्ष अजय बंसल के द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी को फोन पर दी गई। जिसमें मुख्य नगर पालिका अधिकारी के द्वारा पानी से भरी हुवी फायर ब्रिगेड वाहन घटना स्थल हेतु रवाना किया गया। साथ ही अतिरिक्त 2 टैंकर भी स्थल में आकस्मिक उपयोग हेतु भेजा गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी के द्वारा घटना की सूचना अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पथलगांव एवं थाना प्रभारी पथलगांव को दी गई। घटना स्थल में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस), तहसीलदार



पथलगांव, नायब तहसीलदार पथलगांव, थाना प्रभारी पथलगांव सूचना प्राप्ति के समय से आग बुझाने तक उपस्थित रहे। जिला प्रशासन के द्वारा नगर पंचायत कुनकुरी, नगर पंचायत बगीचा एवं जिला से कुल तीन एवं सरगुजा एवं जिला रायगढ़ से 02 कुल 05 फायर ब्रिगेड घटना स्थल पर उपलब्ध कराया गया। फायर ब्रिगेड वाहन में पानी रिफिलिंग जी.ए.डी. कॉलोनी एवं मैरिज गार्डन पंप हाउस से किया गया। जिला प्रशासन एवं स्थानीय प्रशासन के प्रयास के फलस्वरूप

लगभग दोपहर के 12 बजे तक आग में नियंत्रण कर आग पूर्णतः बुझा लिया गया। घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। जिला प्रशासन एवं स्थानीय प्रशासन के द्वारा नगर में किसी भी प्रकार की आपदा व आगजनी हेतु संपूर्ण तैयारी रहती है एवं जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में नगर पालिका पथलगांव के द्वारा समीपवर्ती ग्राम में भी आग की घटना होने पर फायर ब्रिगेड उपलब्ध करायी जाती है।

ट्रंप के बोर्ड ऑफ पीस में सिर्फ यूएस की ही चलेगी

दा बोस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा गठित 'बोर्ड ऑफ पीस' को शांति के एक नए वैश्विक मंच के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, लेकिन इसके दांचे, नेतृत्व और सदस्यता पर नजर डालें तो यह पहल शांति से ज्यादा सत्ता और प्रभुत्व की कहानी कहती है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में पहले से मौजूद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद जैसी संस्थाओं के रहते एक नए मंच की आवश्यकता पर सवाल उठाना स्वाभाविक है, खासकर तब जब उसका स्वरूप लोकतांत्रिक कम और व्यक्तिगत नियंत्रण वाला अधिक प्रतीत हो। इस बोर्ड की सबसे असाधारण और विवाददायक बात इसकी अध्यक्षता व्यवस्था है। डोनाल्ड ट्रंप इसके स्थायी अध्यक्ष होंगे, चाहे वे अमेरिका के राष्ट्रपति रहें या नहीं। अध्यक्ष को हटाने का प्रावधान भी लगभग प्रतीकात्मक है, क्योंकि यह तभी संभव है, जब वे स्वयं इस्तीफा दें या कार्यकारी बोर्ड के सभी सदस्य उन्हें अयोग्य घोषित करें। चौकी कार्यकारी बोर्ड के अधिकांश सदस्य ट्रंप द्वारा ही चुने गए हैं, इसलिए यह स्पष्ट है कि वास्तविक शक्ति पूरी तरह उनके हाथ में केंद्रित रहेगी। बोर्ड की सदस्यता सूची भी इसी असंतुलन को उजागर करती है। आठ मुस्लिम देशों कतर, तुर्किये, मित्र, जॉर्डन, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को इसमें शामिल किया गया है। इसके अलावा अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, अजरबैजान, बहरीन, बेलारूस, हंगरी, कजाकिस्तान, मोरक्को और वियतनाम जैसे देश भी इस पहल का हिस्सा बने हैं। ये सभी देश किसी न किसी रूप में अमेरिकी रणनीतिक प्रभाव के दायरे में आते हैं। इसके विपरीत चीन, रूस, जर्मनी, इटली और यूक्रेन जैसे प्रभावशाली देशों ने भी कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी है। यह तथ्य अपने आप में बोर्ड की वैश्विक स्वीकार्यता पर प्रश्नचिह्न लगाता है। भारत द्वारा इस बोर्ड पर कोई स्पष्ट फेसला न लेना भी बेहद महत्वपूर्ण है। भारत की चुप्पी को इस रूप में देखा जा सकता है कि वह इस बोर्ड को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के संभावित विकल्प के रूप में देख रहा है। सुरक्षा परिषद भले ही वीटो पावर और राजनीतिक गतिरोधों के कारण अलोचना झेलती रही हो, लेकिन उसकी वैधता और वैश्विक प्रतिनिधित्व को नकारा नहीं जा सकता। इसके मुकाबले 'बोर्ड ऑफ पीस' न तो किसी अंतरराष्ट्रीय संघि पर आधारित है और न ही इसमें दुनिया की बड़ी ताकतों की भागीदारी है। इस बोर्ड की प्रभावशीलता पर एक और बड़ा सवाल यह है कि इसमें अमेरिका के अलावा कोई भी वीटो पावर देश शामिल नहीं है। ऐसे में यह बोर्ड वैश्विक संघर्षों को सुलझाने में कितना सक्षम होगा, यह संदेहास्पद है। जिन देशों को इसमें शामिल किया गया है, उनमें से कोई भी इतना राजनीतिक, आर्थिक या सैन्य रूप से शक्तिशाली नहीं है कि वह अमेरिका की इच्छा के विरुद्ध प्रभावी भूमिका निभा सके। इससे यह आशांका और गहरी होती है कि यह मंच वास्तव में स्वतंत्र निर्णयों के बजाय अमेरिकी एजेंडों को आगे बढ़ाने का साधन बन जाएगा। इजराइल की आपत्ति भी इस पहल की विश्वसनीयता को कमजोर करती है। इजराइल ने कहा है कि बोर्ड के गठन से जुड़ी शुरुआती बातचीत में उसे शामिल नहीं किया गया। मध्य पूर्व जैसे संवेदनशील क्षेत्र में शांति की कोई भी पहल इजराइल की भागीदारी के बिना अधूरी मानी जाएगी। अब आने वाला समय ही बताएगा कि यह बोर्ड वास्तव में वैश्विक शांति में कोई सार्थक योगदान देता है या फिर यह इतिहास में एक ऐसे प्रयास के रूप में दर्ज होगा, जिसमें दुनिया की नहीं, बल्कि अमेरिका और विशेष रूप से डोनाल्ड ट्रंप की ही चलेगी।

विशेष

वसंत पंचमी

वया आपको पता है? सूर्य कांत त्रिपाठी निराला को वसंत ऋतु क्यों सर्वाधिक प्रिय है, निराला लिखते हैं- अभी न होगा मेरा अंत अभी - अभी ही तो आया है मेरे वन में मुद्दल वसंत, अभी न होगा मेरा अंत मेरे -हरे ये पात, डालियां, कलियां, कोमल गात। मैं ही अपना स्वप्न - मुद्दल - कुर, फेरंगा निद्रित कलियों पर जगा एक प्रत्युष मनोहर !

वसंत में आनंद भी है उल्लास भी साथ ही सृजन की विस्तीर्ण एक लंबी श्रृंखला को भी लिए हुए है शिशिर की लंबी रातें जैसे जैसे छोटी होती जाती हैं कैसे कैसे निराला की जुड़ी की कली का सौन्दर्य खिल जाना चाहता है - विजन - वन बल्लारी पर सोती थी सुहाग -भरी - स्नेह - स्वप्न - मन अमल - कोमल - तनु तरुणी जुड़ी की कली, द्वा बंद किये, शिथिल - पत्रांक में, वासंती निशा थी निराला का वसंत कुमार संभव है शिशिर के वसंत से अलग है क्योंकि निराला निराला है वे आंखों और बादल के महान कवि हैं जहां का संसार विहंगम है अन्य छायावादी कवि सुमित्रानंदन पंत की दृष्टि से देखते हैं जिसमें वे आंखों से क्या देखते हैं अवलोक रहा बार-बार नीचे जल में निज महाकाव्य जिसके चरणों में पला ताल दंपण सा फैला है विशाल। सूर्य कांत त्रिपाठी निराला का रचना संसार केवल यहीं तक नहीं रुकना चाहता है वह तुलसीदास की तरह संबल प्रदान करते स्पष्ट दिखाई देते हैं और लिखते हैं- महाकाव्य राम की शक्ति पूजा शक्ति की करो मौलिक कल्पना भाव वही शाश्वत असत्य पर सत्य की विजय, अनेकता पर नैतिकता की विजय, ये शंखनाद पूर्णतः आधुनिक क्योंकि निराला जानते थे अंग्रेजों को हराना रावण को हराने के समान था इसलिए वो राम की शक्ति पूजा लंबी कविता रचते हैं निराला के राम नवीन हैं लोक नायक हैं लिखते हैं- होगी जय होगी जय हे पुरुषोत्तम नवीन कह महाशक्ति राम के बदन में हुई लीन।

पराधीनता से स्वाधीनता, कदाचार से सदाचार को इस अविमान यात्रा के कथानक को समर्पण से जोड़ देते हैं अपनी इस लंबी कविता के माध्यम से निराला ने ये स्थापित किया कि मां सीता का अपहरण राष्ट्र की संस्कृति का अपहरण है अस्मिता का अपहरण है जिससे मुक्ति आवश्यक है यहाँ राम को शक्ति की उपासना का आन्धान करते ताकि आततायी रावण जो निरंकुश अंग्रेजी सत्ता का प्रतीक है उखाड़ फेंका जा सके इस पूरे क्रम में निराला का पाठकों से संवाद बेजोड़ है संवेदना, शिल्प व भाषा शैली अद्भुत व अभिभूत कर बहा ले जाती है। निराला के सृजन शक्ति में राष्ट्रीय मान बिन्दुओं के संरक्षण संवर्धन का आग्रह तोर्र है वहीं भावुक पिता का द्रवित हृदय जो पुत्री सरोज के असमय निधन से वेदना ग्रस्त हो सरोज स्मृति लिखते हैं जो एक शोक गीत है जीवन का एलम भी जहां टूटने जुड़ने के दौर से गुजर जाना चाहता है। निराला स्वतंत्र भारत में 14 वर्ष जीवित रहे उनके राम ने अंग्रेज रुपी रावण को देश से बाहर का रास्ता दिखा दिया था संकल्प पूरा हुआ पर तत्कालीन दौर की शासन व्यवस्था कोई पुरस्कार न दे सकी यद्यपि निराला खून सुखाकर लिखने वाले कवि थे इससे कहीं परे थे विडंबना ही है कि निराला पर लिखी गई पुस्तकों को साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ पर स्वयं निराला को नहीं मिल सका कहते हैं निराला का काव्य पाठ आज और तब लिए हुए था उनकी वाणी को भी तत्कालीन सरकारी व्यवस्था सुरक्षित नहीं रख पाई काश उनको वाणी को सुरक्षित रख पाते मंत्र - कंठ कभी न सुनने के लिए आज हम विचर हैं- जागो फिर एक बार! समर अमर कर प्राण, गान गायें महासिन्धु से।

शाश्वत ऊर्जा और शौर्य का महोत्सव



वसंत पंचमी डॉ. बलवीर आचार्य

भारतीय परम्परा में 'काल' को केवल समय की इकाई नहीं, अपितु एक दिव्य चेतना माना गया है। इस काल-प्रवाह में 'वसन्त' वह सन्धिकाल है, जहां प्रकृति अपनी जड़ता का त्याग कर पूर्ण चैतन्य में अंगड़ाई लेती है। वसन्त ऋतु का महत्व केवल इसके नैसर्गिक सौन्दर्य तक सीमित नहीं है, अपितु यह वेद, विज्ञान, साहित्य, आयुर्वेद, बलिदान और राष्ट्रभक्ति का एक अपूर्व समन्वय है। वास्तव में वसन्त ऋतु भारत की वह 'ऋतम्भरा प्रज्ञा' है जो हमें सिखाती है कि यदि जीवन में शान्ति और सौन्दर्य चाहिए तो उसके लिए शस्त्र और शास्त्र, भक्ति और शक्ति तथा प्रेम और बलिदान का समन्वय अनिवार्य है। यह ऋतु हमें आत्मिक शुद्धि के साथ-साथ राष्ट्र रक्षा के प्रति सजग रहने का सन्देश देती है।

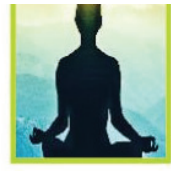
माघ मास, शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाने वाला वसंत पंचमी का पर्व भारतीय सांस्कृतिक चेतना में उस संक्रमण बिन्दु का प्रतीक है, जहां जड़ता से चेतना की ओर, अंधकार से प्रकाश की ओर तथा अज्ञान से ज्ञान की ओर यात्रा प्रारम्भ होती है। यह पर्व प्रकृति के श्रृंगार, विद्या के शूभारम्भ, कलाओं के विकास, शौर्य, धैर्य और बलिदान को प्रेरणा का ऐसा संगम है, जो मानव मात्र को प्रेरित करता है कि वह ज्ञान-विज्ञान का विकास करता हुआ राष्ट्रभक्ति के भावों से ओत-प्रोत रहे। भारतीय परम्परा में 'काल' को केवल समय की इकाई नहीं, अपितु एक दिव्य चेतना माना गया है। इस काल-प्रवाह में 'वसन्त' वह सन्धिकाल है, जहां प्रकृति अपनी जड़ता का त्याग कर पूर्ण चैतन्य में अंगड़ाई लेती है। वसन्त ऋतु का महत्व केवल इसके नैसर्गिक सौन्दर्य तक सीमित नहीं है, अपितु यह वेद, विज्ञान, साहित्य, आयुर्वेद, बलिदान और राष्ट्रभक्ति का एक अपूर्व समन्वय है। यह वह ऋतु है जिसे स्वयं योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में अपनी विभूति स्वीकार करते हुए कहा है कि- 'मैं, ऋतुओं में वसंत हूँ।' वैदिक काल-गणना के अनुसार, यह 'प्राण' की पुनरावृत्ति का समय है। इसलिए समस्त शुभ कार्यों और बड़े अनुष्ठानों का आरम्भ वसन्त से करने का विधान है। संगीत और वीणा 'नाद ब्रह्म' के रहस्य को प्रकट कर रहे हैं। भारतीय मनीषा मानती है कि यह ब्रह्माण्ड ध्वनि से निर्मित है। वसन्त पंचमी इसी 'नाद' की पूजा है। वैदिक युग की गम्भीरता जब लौकिक संस्कृत साहित्य में अवतरित हुई, तो वसन्त, रस और सौन्दर्य के उन्मेष के साथ 'ऋतुगण' के रूप में प्रतिष्ठित हुआ। महाकवि कालिदास ने 'ऋतुसंहार-6.2' में वसन्त का मानवीकरण करते हुए लिखा कि- वसन्त ऋतु में प्रकृति का कण-कण सुन्दरता की गोद में समाया हुआ है। वृक्ष पुष्प-पुष्पों से पुष्पित हो रहे हैं, सरोवरों में कमल अपनी पूर्ण आभा के साथ खिल रहे हैं, समीर सुगंध से सुवासित है और अहोरात्र अत्यन्त मनोहर प्रतीत हो रहे हैं। प्राचीन भारत में वसन्तोत्सव और 'कौमुदी महोत्सव' सामाजिक समरसता के सबसे बड़े प्रतीक थे। इसके प्रमाण हमें संस्कृत के प्रसिद्ध नाटकों में मिलते हैं। सातवीं शताब्दी के सम्राट हर्षवर्द्धन ने अपनी नाटिका 'रत्नावली' के प्रथम अंक में वसन्तोत्सव का सजीव वर्णन किया है- लोको केसर और कुमुदम के घोल से सराबोर होकर गलियों में नृत्य कर रहे हैं। यह इस बात का ऐतिहासिक प्रमाण है कि वसन्त के समय समाज में ऊंच-नीच का भेद समाप्त हो जाता था और राजा-प्रजा साथ मिलकर उत्सव मनाते थे। विशाखदत्त के नाटक 'मद्राक्षस' में चन्द्रगुप्त मौर्य के समय कौमुदी महोत्सव के आयोजन का उल्लेख है। यद्यपि चाणक्य ने कूटनीतिक कारणों से इसे रोकने का आदेश दिया था, किन्तु यह सन्दर्भ स्पष्ट करता है कि मगध की जनता के लिए यह वर्ष का सबसे बड़ा उत्सव था, जिसमें पूर्ण चन्द्र की आभा में नगर को अलंकृत किया जाता था। परम्परागत भारतीय समाज में बच्चों का विद्यारम्भ, अक्षर लेखन, गुरुकुल प्रवेश, वसन्त पंचमी से प्रारम्भ होता था। भारत में इस पर्व के विविध रंग देखने को मिलते हैं। बंगाल में सरस्वती पूजा का भव्य आयोजन होता है। पण्डलों में देवी को प्रतिमाएं स्थापित की जाती हैं और छोटे बच्चों को 'हाते खोड़ी' कराया जाता है



अर्थात् पहली बार अक्षर लिखना सिखाया जाता है। मथुरा और वृन्दावन के ब्रज क्षेत्र में इस दिन होली का औपचारिक आरम्भ माना जाता है। मन्दिरो में भगवान की प्रतिमाओं को गुलाल अर्पित किया जाता है। प्रयागराज और वाराणसी में गंगा स्नान का विशेष महत्व है। आन्ध्रप्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक आदि दक्षिण भारत के प्रान्तों में वसन्त पंचमी पर्व को श्रीपंचमी कहा जाता है और इस पर्व को 'विद्यारम्भ' के रूप में मनाते हैं। बच्चों को चावल के दानों पर अंगुली से अक्षर लिखवाकर शिक्षा की शुरुआत कराई जाती है। वसन्त केवल एक सांस्कृतिक अवधारणा नहीं, अपितु एक खगोलीय घटना है जो सम्पूर्ण पृथ्वी को प्रभावित करती है। खगोलीय रूप से जब सूर्य भूमध्य रेखा के ठीक ऊपर होता है, तब दिन और रात की अवधि समान हो जाती है। इसे वेदों में 'विषुवत' कहा गया है। यह वैश्विक संतुलन का समय है। सूर्य के बढ़ते प्रकाश के कारण मनुष्यों में 'सेरोटोनिन' (प्रसन्नता का हार्मोन) का स्तर बढ़ता है और 'मेलैटोनिन' सन्तुलित होता है। यह प्राकृतिक रूप से अवसाद को समाप्त कर जीवनी शक्ति का संचार करता है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी मानता है कि

शक्तिशाली मन ही सबका सच्चा साथी

प्रत्येक व्यक्ति का मन अनेक शक्तियों को संजोए हुए है। हम मन की शक्तियों से परिचित नहीं हैं। उसमें असीम शक्तियाँ हैं। यदि हम मन की शक्तियों से परिचित हो जाएं, उन्हें विकसित कर लें, तो क्या नहीं हो सकता? संसार में यथार्थिक प्राथमिक आवश्यकत हैं- शक्ति की। शारीरिक शक्ति के लिए भी मन की शक्ति का होना जरूरी है। मन का बल टूटते ही शरीर का बल टूट जाता है। मन सफल होने के लिए शक्ति का साथ देता है। मन सफल होना है शारीरिक शक्तियों को भी सफल



संकलित दर्शन

होने लग जाती है। शक्ति का संयोज और सुरक्षा का उपयय है, तनाव से बचना। मानसिक तनाव मन की शक्ति को और भावनात्मक तनाव आत्मा की शक्ति को क्षीण करता है। शक्ति का सबसे बड़ा रहस्य है, शरीर और मन दोनों का एक साथ रहना। जिसने दूसरों को जीता और अपने आपकी नहीं जीता, वह दुर्बल है। मन और इच्छाओं को जीतना बहुत बड़ी लड़ाई है। प्रत्येक व्यक्ति का मन इन शक्तियों को संजोए हुए है। हम मन की शक्तियों से परिचित नहीं हैं। उसमें असीम शक्तियाँ हैं। यदि हम मन की शक्तियों से परिचित हो जाएं, उन्हें विकसित कर लें, तो क्या नहीं हो सकता? आवश्यकता है मन को पट्ट, कुशल और सहेष्णु बनाने की। उसे इस तरह प्रशिक्षित करने की, जिससे कि हम शारीरिक और मानसिक शक्तियों का संतुलन बनाए रख सकें। कदा भी गया है कि 'मन के हारे हार है, मन के जीते जीता है। मन किसी भी अस्तिष्ठ घटन से घेसा तड़प जाता है, जैसे चारों ओर से लाल चींटियों द्वारा डसा जाता घायल सत तड़पता है। बदला और प्रतिशोध तो चंचल मन की बृहद कल्पनाएं हैं। प्रतिशोध से भरा मन यदि अदरुद्र मात्माओं की खडबडाती दृष्टिगत है, तो प्रेम से भरा मन का हिमालय, गंगा के हिमालय पर्यटकों से भी ऊंचा है। मन की ऊंचाई के आगे हिमालय भी क्षीन है, इसलिए मन सुदृढ़ और प्रशिक्षित अथवा कीर्ति होना चाहिए।

अपने लिए कठोर और दूसरों के लिए द्रवित रहो

वृन्दावन के जाने-मने संत प्रेमानंद महाराज ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा कि जगह-जगह पर अदस पर किया जाता है। जिससे हमें लगे कि गलत है तो हम उसे कठोर करते हैं। कठोर हृदय से हम उसे सहते हैं। अब जहां हमारी कोई निंदा कर रहा है तो हम हमारे हृदय को कठोर कर लेते हैं। स्वभाव के कठोरता में सबको कठोर आ जाता है। स्वभाव में ही सब कुछ होता है। हृदय, वाणी, देखना और बोलना, उठना और बैठना सब आ जायगा। जहां किसी को कष्ट हो रहा है, वहां हम द्रवित हो जाते हैं। जहां हमें कष्ट हो रहा है, वहां हम कठोर हो जाते हैं। हमारी कोई निंदा करे, उसे हम सह लेते हैं, लेकिन हम किसी की निंदा नहीं कर सकते हैं। हमें कोई दुख दे। हम उसे कठोर भाव से सह लेते, लेकिन हम किसी को कठोर भाव से दुख दे। ऐसा कभी भी नहीं हो सकता है। प्रेमानंद महाराज ने आगे कहा कि अपने लिए कठोर रहो और दूसरों के लिए द्रवित रहो। दूसरों के लिए कठोर और अपने लिए द्रवित ये स्वार्थी लोगों का लक्षण है। परमात्मिक लक्षण है कि अपने लिए कठोर रहो। दूसरे को नहीं लग रही है तो अपनी जेबट उतार के दे दिया। अपने खुद सब सह लेते हैं लेकिन दूसरों को नहीं हर्ष मन उनके ठंड में कापते हुए नहीं देख सकते हैं। ये है कठोरता। अपने लिए कठोर रहो लेकिन दूसरों के लिए मुदुता।



संकलित प्रेरणा

सरलता से अपनी बात रखी। प्रेमानंद महाराज ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा कि जगह-जगह पर अदस पर किया जाता है। जिससे हमें लगे कि गलत है तो हम उसे कठोर करते हैं। कठोर हृदय से हम उसे सहते हैं। अब जहां हमारी कोई निंदा कर रहा है तो हम हमारे हृदय को कठोर कर लेते हैं। स्वभाव के कठोरता में सबको कठोर आ जाता है। स्वभाव में ही सब कुछ होता है। हृदय, वाणी, देखना और बोलना, उठना और बैठना सब आ जायगा। जहां किसी को कष्ट हो रहा है, वहां हम द्रवित हो जाते हैं। जहां हमें कष्ट हो रहा है, वहां हम कठोर हो जाते हैं। हमारी कोई निंदा करे, उसे हम सह लेते हैं, लेकिन हम किसी की निंदा नहीं कर सकते हैं। हमें कोई दुख दे। हम उसे कठोर भाव से सह लेते, लेकिन हम किसी को कठोर भाव से दुख दे। ऐसा कभी भी नहीं हो सकता है। प्रेमानंद महाराज ने आगे कहा कि अपने लिए कठोर रहो और दूसरों के लिए द्रवित रहो। दूसरों के लिए कठोर और अपने लिए द्रवित ये स्वार्थी लोगों का लक्षण है। परमात्मिक लक्षण है कि अपने लिए कठोर रहो। दूसरे को नहीं लग रही है तो अपनी जेबट उतार के दे दिया। अपने खुद सब सह लेते हैं लेकिन दूसरों को नहीं हर्ष मन उनके ठंड में कापते हुए नहीं देख सकते हैं। ये है कठोरता। अपने लिए कठोर रहो लेकिन दूसरों के लिए मुदुता।

अंतर्मन



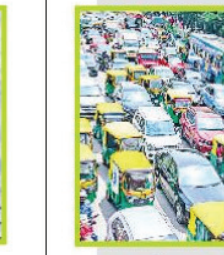
आज की पाती

वया किसी की मूख की तस्वीर लेना जायज है? आज का युग 'डिजिटल करुण' का युग बन चुका है, जहां इनसाइनिव, परीफर और सहनमृति जैसे मूख्य अब मीन संवेदनाओं की बजाय कैमरे की पेशे में दर्ज होते हैं। फले जहां 'नेकी कर दरिया में झल की परंपरा जीवित थी, अब वह बदलकर 'नेकी कर, संभल मीडिया पर डाल' हो चुकी है। भलाई की भावना मनुष्य की सबसे पवित्र प्रकृतियों में से एक है। किन्तु आज के समय में यह गुण मंत्र पर आ चुका है- एक ऐसा मंत्र जहां तालियां हैं, टिप्पणियां हैं, और सबसे जरूरी, एक कैमरा है जो हर क्षण को 'दृश्य' बनाता है। एक समय या जब कोई युद्ध भूखा दिखता, तो वह चलते लोग किन कुछ कहे उसे कुछ खाने को दे जाते थे। लेकिन अब किसी की मूख बुझाने की भी तस्वीरें ली जा रही हैं। -विनय कुमार साहू

करंट अफेयर

देश का विद्युत पारेषण नेटवर्क पांच लाख सर्किट किमी के पार

देश का विद्युत पारेषण नेटवर्क 220 किलोवॉट और उससे अधिक क्षमता वाली लाइन के साथ पांच लाख सर्किट किलोमीटर का आंकड़ा पार कर गया है। बिजली मंत्रालय ने यह जानकारी दी। इसके साथ ही देश की कुल 'ट्रांसमिशन' क्षमता 1,407 गीगावॉट एमिपयर तक पहुंच गई है। मंत्रालय के बयान के अनुसार, राजस्थान नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र से बिजली पारेषण के लिए भादला-दो से सीकर-दो सब-स्टेशन तक 765 किलोवॉट की 628 सर्किट किलोमीटर लंबी पारेषण लाइन का संचालन शुरू करने के साथ ही दुनिया के सबसे बड़े राष्ट्रीय ग्रिड ने यह उपलब्धि 14 जनवरी को हासिल की। इस लाइन के चालू होने से भादला, रामगढ़ और फतेहगढ़ सौर ऊर्जा परिसर के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र से अतिरिक्त 1,100 मेगावाट बिजली पारेषण संभव हो सकेगा। मंत्रालय के अनुसार, अप्रैल 2014 से अब तक देश के पारेषण नेटवर्क में 71.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस अवधि में 2.09 लाख सर्किट किलोमीटर लंबी पारेषण लाइन जोड़ी गई जबकि 'ट्रांसमिशन' क्षमता में 87.6 गीगावॉट एमिपयर की बढ़ोतरी हुई। अंतर-क्षेत्रीय बिजली अंतरण क्षमता अब 1,20,340 मेगावाट तक पहुंच गई है जिससे विभिन्न क्षेत्रों के बीच निर्बाध बिजली आपूर्ति को संभव हुई है।



ऑफ बीट

बेंगलुरु दूसरा सबसे अधिक यातायात भीड़भाड़ वाला शहर

भारत का सूचना एवं प्रौद्योगिकी केंद्र बंगलुरु वर्ष 2025 में विश्व स्तर पर दूसरा सबसे अधिक यातायात भीड़भाड़ वाला शहर रहा, जहां औसत यातायात भीड़भाड़ का स्तर 74.4 प्रतिशत रहा। यह जानकारी नीदरलैंड स्थित 'लोकेशन टेक्नोलॉजी' कंपनी 'टॉमटॉम' के आंकड़ों से मिली है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 'टॉमटॉम' के वर्ष 2025 से संबंधित 'ट्रैफिक इंडेक्स' में मैक्सिको सिटी को शीर्ष स्थान पर रखा गया है, उसके बाद बंगलुरु और बर्लिन (आयरलैंड) का स्थान है। यह सूचकांक दुनिया भर के शहरों का मूल्यांकन औसत यात्रा समय और यातायात भीड़भाड़ के स्तर के आधार पर करता है, जिससे उच्च गुणवत्ता वाला, सार्वजनिक रूप से सुलभ डेटा उपलब्ध होता है। बंगलुरु में पिछले वर्ष की तुलना में औसत यातायात भीड़भाड़ का स्तर 1.7 प्रतिशत अंक बढ़ गया। चालू वर्ष ने औसत 4.2 किलोमीटर की दूरी 15 मिनट में तय की, जबकि 10 किलोमीटर की दूरी तय करने में औसतन 36 मिनट और नौ सेकंड का समय लगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि व्यस्त समय के दौरान गाड़ियों की औसत गति घटकर 13.9 किमी प्रति घंटा हो गई। इसके अलावा, रिपोर्ट में 17 मई को शहर का सबसे खराब यात्रा दिवस बताया गया है।

टैंड

मेरी हार्दिक संवेदनाएं

डेजा में हुए दुःखद सड़क हादसे से मैं बेहद दुखी हूँ, जिसमें भारतीय सेना के 10 बहादुर शोक शहीद हो गए। मेरी हार्दिक संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। प्रयाल जवानों को सर्वोत्तम उपचार सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। इस कठिन समय में पूरा देश हमारे शरास्र बली और उनके परिवारों के साथ खड़ा है। - राजनाथ सिंह, रक्षामंत्री

'आप' के सीएन

मैं सोशल मीडिया पर देख रहा था कि इनके लुब्धकताओं आपने परिवार के साथ रिश्तेदारों तकने में व्यस्त है। एक तपस्वी से सुदृष्टि नग्न रहे हैं, दूसरी तपस्वी 'आप' के सीएन जनता के हितों काई बना रहे हैं। -अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

कान का अधिकार

मौदी संस्कार कानगवा को खल करने का कान इसलिए कर रही है, ताकि देश के दबे-कुदले लोगों को 'बुझा नजदूर' बनाया जा सके। हने नकरीया और कान के अधिकार को बचाने की लड़ाई लड़नी है। - मल्लिकार्जुन खरगे, अय्यथ, कांग्रेस

औपनिवेशिक अत्याचार

टंग द्वारा गीनलेड पर संभावित कठों की नैतिकता पर बहस करते समय, अफ्रीका में यूरोपीय लोगों द्वारा किए गए औपनिवेशिक अत्याचारों पर विचार करना उचित है। डेनमार्क ने सत्य आयोग के गठनका पाव लाख गुलामों को अमेरिका भेजा था। - शेखर कपूर, फिल्मकार



खबर संक्षेप

पुणे में कार ने बच्चे को कुचला, मौत
पुणे। महाराष्ट्र के पुणे स्थित लोनी कालभोर में शुक्रवार को एक रिहाइशी सोसाइटी में कार ने साइकल चला रहे 5 साल के बच्चे को कुचल दिया। इसमें बच्चे की मौत हो गई। ये पूरी घटना सोसाइटी में लगे कैमरे में कैद हो गई। वीडियो में दिखाता है बच्चा साइकल चला रहा था तभी एक कार आई और बच्चे को कुचलते हुए निकल गई। कार सवार दोस्त को छोड़ने आया था।

घर से नोटों का पहाड़ 61 किलो चांदी जब्त
कानपुर। यहां कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और अवैध आर्थिक गतिविधियों पर लगाम कसने की दिशा में पुलिस कमिश्नरेंट ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। क्राइम ब्रांच की टीम नेधनकुट्टी इलाके के एक घनी आबादी वाले क्षेत्र में स्थित मकान पर छापेमारी की। करीब 2 करोड़ नकद और करीब 61 किलोग्राम चांदी बरामद की गई है। नेपाली युद्ध भी मिली है।

क्रिकेटर यश दयाल की गिरफ्तारी पर रोक
जयपुर। जयपुर हाईकोर्ट से टुकमं के आरोपों का सामना कर रहे क्रिकेटर यश दयाल को बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने इस मामले में यश दयाल की गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगा दी है। यह आदेश हाईकोर्ट के जस्टिस गणेशराम मीणा की सिंगल बेंच ने

तिरुवनंतपुरम में प्रधानमंत्री ने एलडीएफ-यूडीएफ पर निशाना साधा दोनों दलों ने केरल को भ्रष्टाचार के दुष्चक्र में धकेला, प्रतीक अलग पर लक्ष्य करण बनना

पीएम ने तिरुवनंतपुरम नग्न में भाजपा की ऐतिहासिक जीत को सराहा



प्रधानमंत्री तिरुवनंतपुरम में विकास परियोजनाओं के शुभारंभ, ट्रेन सेवओं को हरी झंडी के दौरान

निशान दक्षिण, केरल में भाजपा का चुनावी शंखनाद

अब बदलाव आएगा पीएम मोदी ने कहा कि दशकों तक एलडीएफ और यूडीएफ ने शहर को उपेक्षा की और शहर को बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखा। ये जरूरतों को पूरा करने में नाकाम रहे हैं। अब यहां भाजपा का बदलाव दिखेगा।



जनसभा को संबोधित करते प्रधानमंत्री मोदी

पूरे देश के लिए आदर्श शहर बनेगा तिरुवनंतपुरम
पीएम मोदी ने जोर देकर कहा कि तिरुवनंतपुरम अब पूरे देश के लिए एक आदर्श शहर बनेगा। उन्होंने कहा कि इस शहर के लोगों से मैं कहता हूँ- विश्वास रखें। तिरुवनंतपुरम पूरे देश के लिए एक आदर्श शहर बनेगा। इसे भारत के सर्वश्रेष्ठ शहरों में शामिल करने के लिए मैं पूरा समर्थन दूंगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा की ऐतिहासिक जीत की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की ओर से दशकों से की जा रही उपेक्षा के अंत और विकास व सुशासन के नए युग की शुरुआत है। प्रधानमंत्री ने दोनों पर भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया। तिरुवनंतपुरम में पीएम ने एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि एलडीएफ और यूडीएफ ने अलग-अलग तरीकों से केरल को भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन और तृष्टिकरण की राजनीति के दुष्चक्र में धकेल दिया है। भले ही उनके झंडे और प्रतीक अलग हों, लेकिन उनकी राजनीति और एजेंडा लगभग एक जैसे हैं और ये हैं- बेलगाम भ्रष्टाचार, जवाबदेही की कमी और विभाजनकारी सोप्टाधिकता को बढ़ावा देना। दोनों दल जानते हैं कि हर पांच साल में उन्हें शासन का मौका मिलता है। लेकिन बुनियादी समस्याएं जस की तस हैं।

एनडीए नेताओं से मिले उज्जवल भविष्य देने के लिए हम प्रतिबद्ध

प्रधानमंत्री ने दक्षिण भारत के राज्य केरल पहुंचे और भाजपा के चुनावी अभियान की औपचारिक शुरुआत की। उन्होंने शानदार स्वागत के लिए जनता को धन्यवाद दिया और कहा कि लोगों के आशीर्वाद से भाजपा-एनडीए इस शहर के लिए विकास, बेहतर नागरिक सेवाएं व एक उज्जवल भविष्य देने के लिए प्रतिबद्ध है। पीएम मोदी का शानदार स्वागत किया गया। रोड शो के दौरान लोगों का जोश और उत्साह दिखाई दिया। 'एक्स' पर लिखा, लोगों का जोश और उत्साह भाजपा पर बढ़ते भरोसे को दिखाता है, जो नगर निगम के नतीजों में साफ नजर आया। उन्होंने एनडीए का हिस्सा बनी 'ट्वेंटी20 पार्टी' के नेताओं से भी मुलाकात की।

भाजपा के पहले मेयर राजेश को गले लगाया

प्रधानमंत्री ने नगर निगम में भाजपा के पहले मेयर वीवी राजेश को गले लगाया। उन्होंने राजेश को मेयर बनने पर बधाई दी।

एनडीए को विकास और सुशासन का तीसरा विकल्प बताया
पीएम मोदी ने कांग्रेस और वाम दलों पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस केरल को अपनी नई राजनीतिक रणनीतियों की प्रयोगशाला बना रही है। केरल में कांग्रेस कट्टरपंथी तत्वों को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। अब भाजपा तीसरा विकल्प बनेगी।

सीएम विजयन ने की प्रधानमंत्री की तारीफ

प्रधानमंत्री ने परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करने के साथ-साथ नई ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी दिखाई। केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि यह केरल के विकास के लिए बहुत बड़ा दिन है। यह बहुत गर्व और खुशी की बात है कि मैं प्रधानमंत्री का 'ईश्वर के अपने देश' केरल में स्वागत करता हूँ। प्रधानमंत्री ने केरल में कई ऐसे प्रोजेक्ट्स लॉन्च किए हैं जो राज्य के विकास में बहुत मदद करेंगे।

हाईकोर्ट में जज के साथ कहासुनी मामले में वकील को फटकारा

जज को आंख दिखाना चाहते हो तो दिखाओ, हम भी आप को 'देख' लेंगे

गणतंत्र दिवस समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल



दिया। कोर्ट ने जांच में पूरा सहयोग करने और जांच एजेंसियों के समक्ष उपस्थित होने को कहा है।

कटक में उपराष्ट्रपति ने नेताजी को किया नमन

कटक। पराक्रम दिवस के अवसर पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन शुक्रवार को ओडिशा की अपनी पहली यात्रा पर कटक पहुंचे। उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्मस्थान पर समारोह में भाग लिया और कहा कि नेताजी की पुकार आज भी भारतीयों में साहस और संकल्प की प्रेरणा देती है।

एजेसी नई दिल्ली
हाईकोर्ट में जज के साथ कहासुनी से जुड़े मामले में फंसे वकील को सुप्रीम कोर्ट से फटकार मिली है। वकील के खिलाफ आपराधिक अवमानना का नोटिस जारी हुआ था, जिसके बाद उन्होंने शीर्ष न्यायालय का रुख किया था। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत ने अदालत में चेतावनी दी और कहा कि अगर वे आंख दिखाना चाहते हैं, तो हम भी देख लेंगे वह क्या कर लेंगे। मामला बीते साल 16 अक्टूबर, झारखंड हाईकोर्ट का है। सुनवाई के दौरान एडवोकेट महेश तिवारी ने जस्टिस राजेश कुमार को सीमा पर नहीं करने के लिए कह दिया था। उनके खिलाफ आपराधिक अवमानना का नोटिस जारी हुआ। इस पर वे सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे, जहां उन्हें सीजेआई की नाराजगी का सामना भी करना पड़ा।

सीजेआई से महेश को नाराजगी का सामना करना पड़ा क्या बिगाड़ लिया मेरा... दिखा रहे वकील

सीजेआई ने कहा कि वे सुप्रीम कोर्ट से आदेश सिर्फ यह दिखाने के लिए चाहते हैं कि क्या बिगाड़ लिया मेरा। उन्होंने एडवोकेट को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि अगर वह माफी मांगना चाहते हैं, तो उन्हें माफी मांगनी चाहिए...।

झारखंड हाईकोर्ट में रह हुआ
एडवोकेट तिवारी एक विधवा का केस लड़ रहे थे, जिनका 1 लाख 30 हजार से ज्यादा बकाया होने के कारण बिजली कनेक्शन काट दिया गया था। जस्टिस कुमार ने राज्य के बार काउंसिल अध्यक्ष से वकील के काम करने के तरीके पर सलाह लेने के लिए कहा। तिवारी उठे और अंगुली दिखाते हुए जज से कहा कि मैं अपनी तरह से बहस कर सकता हूँ।

बरसात में भी दिखा जवानों का जोश
नई दिल्ली। दिल्ली में शुक्रवार को गणतंत्र दिवस समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल आयोजित की गई। सुबह से हो रही बरसात के बावजूद कर्तव्य पथ पर तीनों सेनाओं के जवानों ने कदम से कदम मिलाकर परेड की। कर्तव्य पथ पर पहली बार भारतीय सेना की भैरव बटालियन फुल ड्रेस रिहर्सल का हिस्सा बनी।

लखनऊ के राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर सजेगा उत्तर प्रदेश के राज्य दिवस का मंच संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश दिवस-2026 के मुख्य समारोह का आयोजन इस वर्ष राजधानी लखनऊ के नवनिर्मित राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर किया जा रहा है। तीन दिवसीय इस भव्य समारोह का उद्घाटन शनिवार को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह करेंगे। इस अवसर पर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करने वाली पांच विशिष्ट विभूतियों को छह उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान 2025-26 से सम्मानित किया जाएगा। इस वर्ष जिन विभूतियों को गौरव सम्मान प्रदान किया जाएगा, उनमें अंतरिक्ष विज्ञान, शिक्षा, साहित्य, महिला सशक्तिकरण और कृषि जैसे विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तित्व शामिल हैं। गौरव सम्मान 2025-26 से सम्मानित होने वाली विभूतियों में राजधानी लखनऊ निवासी अंतरिक्षयत्री एवं भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला शामिल हैं। शुभांशु शुक्ला ने 26 जून 2025 को नासा के केनेडी स्पेस सेंटर से स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान द्वारा प्रक्षेपण के बाद अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर पहुंचकर इतिहास रचा। वे आईएसएस पर कदम रखने वाले पहले भारतीय अंतरिक्षयत्री बने। हालांकि, अंतरिक्ष में जाने वाले भारतीयों में वे राकेश शर्मा के बाद दूसरे भारतीय हैं। उनकी यह उपलब्धि भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाली है। शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाले प्रयागराज निवासी अलख पांडेय को वृषी गौरव सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। अलख पांडेय ने वर्ष 2016 में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए ह्यफिजिक्स कराकर करोड़ों छात्रों को लाभान्वित किया। वर्ष 2022 में उनकी कंपनी भारत की छोटी एडवेंचर यूनिवर्स बनी। 10 मिलियन से अधिक सब्सक्राइबर वाले इस प्लेटफॉर्म ने शिक्षा को अधिक समावेशी और लोकतांत्रिक बनाया है।

कोर्ट नोटिस
न्यायालय, सिविल जज, सीनियर डिवीजन, 1 मुमला। ड.र. 27/2024 नामगण देवी वगैरह..... वादीगण बनम संत कुमार सिंह वगैरह प्रतिवादीगण नोटिस बनम प्रतिवादी सं. 8 से 11 8. गुलाबी बाई, पति विनय सिंह, 9. राजू सिंह, पिता विनय सिंह, 10. सुवर्णा सिंह, पिता समरतरी सिंह, 11. भीमनाथगण सिंह, पिता समरतरी सिंह, सभी निवासी ग्राम राजती, थाना आरा, जिला जशपुर (छत्तीसगढ़)।
चूं बजरिए इस नोटिस प्रकाशन के माध्यम से आप सभी को सूचित किया जाता है कि यह बँटवारा वाद वादीगण के द्वारा आप सभी के विरुद्ध दावर् किया गया है जिसमें आप सभी की उपस्थिति अनिवार्य है तथा आपलोगों कि उपस्थिति हेतु न्यायालय 7द्वारा नजरात एवं निर्बोधित डाक के माध्यम से सम्मन निर्गत किया गया था परंतु आप लोग आज तक न्यायालय में उपस्थित नहीं हुए है। अतः आपलोगों को इस नोटिस प्रकाशन के द्वारा आगाह किया जाता है कि आपलोग दिनांक 03/02/2026 समय 11:00 बजे या उसके पूर्व न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखे अन्यथा आपकी अनुपस्थिति में ही इस वाद कि सुनवाई एकपक्षीय की जाएगी।
इसे सख्त ताकीद जानें यह नोटिस आज दिनांक 12/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर व मुहर से जारी किया गया।
हस्ताक्षर सिविल जज, सी. डि. 1, मुमला

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छगग)
रा०प्र०क०ब/-121/2025-26 //इश्तहार// एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुरेंद्र सिंह आ० सुखसागर सिंह, निवासी ग्राम सकालो, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छगग) के द्वारा छ०ग० भू-राजस्व संहिता 1959 को धारा 115, 116 के अंतर्गत आवेदन श्रौतान अनुविभागीय अधिकारी (रा०) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत कर बताया गया है कि ग्राम सकालो स्थित भूमि खसरा नंबर 229 रकबा 0.56० हे०, जिसका पुराना खसरा नंबर 1/18 रकबा 0.75 एकड़ भूमि आवेदक के पिता सुखसागर सिंह आ० केदार सिंह को निस्तार प्रकरण क्रमांक 937/क-5/1955-56 के अनुसार प्राप्त हुआ है। वर्तमान में उक्त भूमि शासकीय मजद में दर्ज हो गया है। आवेदक द्वारा उसके पिता को प्राप्त निस्तार पत्र अनुसार खसरा नंबर 229 में से 0.75 एकड़ अपने नाम पर दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया गया है। जो जांच व प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 20/02/2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। आज दिनांक 23/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।
अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर -02

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छगग)
रा.प्र.क्र. ब/121 वर्ष ग्राम - प.ह.न. 05 इश्तहार एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अलमुदिन अंसारी पिता बजीमदिन अंसारी जाति मुसलमान निवासी ग्राम सोनपुर (शि) प.ह.न.05 रा.नि.भं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छगग) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक अपने स्वयं के लिए जन्म प्रमाण पत्र अलमुदिन अंसारी का जन्म दिनांक 01-04-1964 को ग्राम सोनपुर में हुई है। अज्ञानतावशा जन्म पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपने स्वयं के लिए अलमुदिन अंसारी का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत सोनपुर को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवाका के माध्यम से पेशी दिनांक 03/02/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। निवत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 20/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।
नायब तहसीलदार भैयाथान जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202601020700019/ विषय:- अ-6
मामले की श्रेणी राजस्व सत्त-2025-2026 मण्गीपुर प.ह.न. 00022 [368/21(0.0530हे०)] पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार- कुलदीप मुण्डा, अनावेदक पक्षकार- प्यारेलाल गोरलाल, इश्तहार आवेदक कुलदीप मुण्डा पिता स्व०प्यारेलाल मुण्डा निवासी ग्राम मण्गीपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम मण्गीपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 368/21 रकबा 0.053 हे० भूमि के राजस्व अभिलेखों में मृतक खातेदार प्यारेलाल का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 30/01/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह इश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 06/01/2026 को जारी किया जाता है।
तहसीलदार अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202601020700021/ विषय:- अ-6
मामले की श्रेणी राजस्व सत्त-2025-2026 लक्ष्मीपुर प.ह.न. 00023 [399/1(0.2180हे०)] पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार कुलदीप मुण्डा, अनावेदक पक्षकार -प्यारेलाल गोरलाल, इश्तहार आवेदक कुलदीप मुण्डा पिता स्व०प्यारेलाल मुण्डा निवासी ग्राम मण्गीपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम लक्ष्मीपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 399/1 रकबा 0.218 हे० भूमि के राजस्व अभिलेखों से मृतक खातेदार प्यारेलाल का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 30/01/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह इश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 06/01/2026 को जारी किया जाता है।
तहसीलदार



हर देश का अपना एक राष्ट्रगान, राष्ट्रीय ध्वज होता है। साथ में राष्ट्रगीत और कुछ राष्ट्रीय प्रतीक भी होते हैं। इसके साथ राष्ट्रीय पशु-पक्षी और फूल भी होते हैं। इन सबके बारे में नंदन को उसकी दीदी, मां-पिता और टीचर ने विस्तार से जानकारी दी। इनके बारे में जानकर नंदन को अपने देश पर बड़ा गर्व महसूस हुआ। बच्चों, तुम भी जानो इन सबके बारे में।

देश की शान-पहचान हमारे राष्ट्रीय प्रतीक

ज्ञान वार्ता
विमला भंडारी

नंदन को स्कूल से पुस्तकें मिली थीं। वह बिस्तर पर लेटा हुआ उन्हें उलट-पुलट कर देख रहा था। पुस्तक के अंतिम पृष्ठ पर लिखी पंक्तियां वह गुनगुनाने लगा, 'जन-गण-मन अधिनायक जय हे भारत भाग्य विधाता...!' राष्ट्रगान का कबो सन्मान। नंदन के कमरे के सामने से गुजरती दीदी ने जब अपने छोटे भाई को लेटे-लेटे राष्ट्रगान गाते सुना तो उन्होंने टोका, 'नंदन, यह क्या? राष्ट्रगान को इस तरह लेटकर नहीं गाया जाता।' 'क्यों



दीदी?' नंदन ने उठकर बैठते हुए उत्सुकतापूर्वक दीदी से पूछा। 'अरे, तुम्हें इतना भी नहीं पता! राष्ट्रगान को हमेशा सावधान की मुद्रा में खड़े होकर आसमान के नीचे राष्ट्रध्वज के सामने गाया जाता है।' दीदी ने बताया। 'अगर लेटकर, बैठकर या चलते हुए गाएँ तो दीदी?' नंदन ने आगे पूछा। 'नहीं, इससे हमारे राष्ट्रगान

का अपमान होता है। राष्ट्रगान का सम्मान करना हमारे देश प्रेम की भावना को प्रकट करता है। अब कभी-भी कहीं भी चलते या बैठे हुए तुम्हारे कानों में यदि राष्ट्रगान की धुन भी सुनाई पड़ जाए, तो तुरंत वहीं ठहरकर सावधान की मुद्रा में खड़े हो जाना। फिर गान की समाप्ति पर श्रद्धा से शीश झुका देना, यह तुम्हारा मातृभूमि को किया गया नमन होगा।' दीदी ने नयन को समझाया।

'ओह दीदी! अनजाने में कितनी बड़ी गलती कर बैठा मैं।' नयन ने अपने माथे पर हाथ रखते हुए कहा। 'अच्छा नंदन, अब मैं चलती हूँ। आज शाम को मैं तुम्हें राष्ट्रीय चिन्हों से संबंधित बातें बताऊंगी। अभी मुझे अपने स्कूल जाना है। तुम तो देर से निकलोगे, क्योंकि तुम्हारा स्कूल तो पास में ही है।' दीदी ने अपना बैग समेटते हुए कहा और नंदन को 'बाय' करते अपने स्कूल चली गईं।

जानो अपने राष्ट्रीय चिन्ह: दीदी की बातें सुनकर नंदन की उत्सुकता बढ़ गई थी। वह दौड़ा-दौड़ा मां के पास

आकर बोला, 'मां-मां, मुझे राष्ट्रीय चिन्हों के बारे में बताओ न!'

'अभी बताती हूँ, पहले मेरे पर्स से एक नोट लेकर आओ।' मां बोलीं। नंदन ने मां को एक नोट लाकर दिया। मां बताने लगीं, 'यह देखो नंदन, हमारा राष्ट्रीय चिन्ह जो कि वाराणसी के पास सारनाथ में सम्राट अशोक द्वारा बनाए गए 'सिंह स्तंभ' से लिया गया है। और ये देखो, नीचे की इस चौरस पट्टी के बीच एक चक्र बना हुआ है, जिसके दाईं ओर सांड और बाईं ओर घोड़े का चित्र बना हुआ है। बीच में देखो, 'सत्यमेव जयते' लिखा हुआ है, जो हमारे राष्ट्र का आदर्श वाक्य भी है।

'सत्यमेव जयते' का अर्थ है-सत्य की हमेशा विजय होती है। यही चक्र तुम तिरंगे झंडे में भी देखते हो...।' मां ने बताया। **तीन रंगों वाला हमारा राष्ट्रीय ध्वज:** बात जब तिरंगे झंडे की आई तो नंदन झट से बोला, 'हां मां, झंडे के तीनों रंग मुझे मालूम हैं। सबसे ऊपर केसरिया, बीच में सफेद और नीचे हरा।'

'हां, राष्ट्रीय ध्वज की सफेद पट्टी पर नीले रंग का यह चक्र बना हुआ है। जिसे अशोक चक्र कहते हैं। यह हमारी प्रगति का सूचक है। तिरंगे के सभी रंग अपने अंदर संदेश समाहित किए हुए हैं।' तभी पापा ने उसे अपने पास बुलाया, 'इधर आओ नंदन, मैं तुम्हें बताता हूँ।' पापा ने नंदन को अपने बगल में बैठाया और बोले, 'झंडे के ऊपर का केसरिया रंग हमारी वीरता का प्रतीक है। यह रंग हमें संदेश देता है कि हम हमारे वीरों



राष्ट्रीय पक्षी, पशु और फूल
घर आने के बाद नंदन दीदी के स्कूल से लौटने का इंतजार करने लगा। वह सोच रहा था कि आज मालूम पड़े सारी नई जानकारीया बतकर दीदी को चौंका देगा। लेकिन हुआ इसका उल्टा। जब दीदी ने उससे राष्ट्रीय पक्षी, राष्ट्रीय पशु और राष्ट्रीय फूल के बारे में पूछा तो वह नहीं बत पाया। अभी इनके बारे में तो जानना बाकी ही था। दीदी ने नंदन को बड़े ध्यान से बताया कि अपना राष्ट्रीय पक्षी मोर, राष्ट्रीय पशु बाघ और राष्ट्रीय फूल कमल है।



की भांति अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहें। सफेद रंग शांति का प्रतीक है, जो विश्व में शांति का संदेश देता है। हरा रंग हमारी समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक है।' नंदन ने अपने पापा की सारी बातें बहुत ध्यान से सुनीं। उसके स्कूल जाने का समय हो चुका था, तैयार होकर वह स्कूल के लिए निकल पड़ा।

राष्ट्रगान और राष्ट्रीय गीत के रचयिता: नंदन स्कूल आया तो वहाँ प्रार्थना के बाद राष्ट्रगान गाया गया। अपनी क्लास में पहुंचकर नंदन सभी बच्चों को राष्ट्रीय चिन्ह और ध्वज के बारे में बताने लगा। इतने में क्लास टीचर ने प्रवेश किया। उन्होंने अंदर आते समय नंदन की कुछ बातें सुन ली थीं। सभी बच्चों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। 'अच्छा बच्चों, क्या तुम बता सकते हो कि हमारे राष्ट्रगान के रचयिता कौन थे?'

क्लास टीचर के इस प्रश्न पर पूरी कक्षा मौन हो गई। टीचर ने बताया, 'रवींद्रनाथ टैगोर, राष्ट्रगान के रचयिता थे। उन्होंने यह गीत 1912 में लिखा तथा इसे राष्ट्रगान के रूप में 24 जनवरी 1950 को स्वीकार किया गया। इसी तरह बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित गीत 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रीय गीत के रूप में मान्यता मिली है।'

अपने राष्ट्र के महत्व की इतनी सारी रोचक और महत्वपूर्ण जानकारी पाकर नंदन, बहुत खुश और गौरवान्वित महसूस कर रहा था। *
अनंत बोला, 'रुको, मेरे पास आईडिया है।' यह कहते हुए वह बहुत तेजी से अपने घर की ओर भागा और पीले रिबन, पीला चाट पेपर, फ्लैटर और स्टार स्टिकर्स लेकर लौटा। सारा उछल पड़ी। 'वाह! अब हम

कविता / सूर्यकुमार पांडेय धम्मक-धम्मक-धम्मक



आई है छब्बीस जनवरी,
खुशियों का आलम।
लहर रहा हर श्रोत तिरंगा,
फहर रहा परचम।
धम्मक-धम्मक-धम्मक।
धम्मक-धम्मक-धम्मक।
सविधान की रक्षा की,
खाते हैं आज कसम।
'जन-गण-मन' के साथ गा रहे,
वंदे मातरम्' हम।
धम्मक-धम्मक-धम्मक।
धम्मक-धम्मक-धम्मक।
देश हमारा दिन-दिन विकसित,
करें सभी परिश्रम।
शांति-अहिंसा वाला मौसम,
बना रहे हरदम।
धम्मक-धम्मक-धम्मक।
धम्मक-धम्मक-धम्मक।

कविता / राजेंद्र श्रीवास्तव गाओ वंदे मातरम्

गाओ वंदे मातरम्
गाओ वंदे मातरम्।
राष्ट्रगीत के बोल निराले।
मन में प्रीति जगाने वाले।
मनभावन लय स्वर सरगम।
गाओ वंदे मातरम्।
जवनी जवनी की जय हो।
जग में यश अंत प्रशय हो।
सुखदाई शुभ सुंदरम्।
गाओ वंदे मातरम्।
आओ मिलकर कदम बढ़ाएं।
गाओ वंदे मातरम्।
गाओ वंदे मातरम्।
भारत माता का यश गाएं।
ध्वज निर्भय फहराएं हम।
गाओ वंदे मातरम्।



तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण देशभक्ति बाल कविताएं

चो. हाल में अदम्य वीरता का परिचय

कहानी
डॉ. अलका जैन 'आराधना'
र साल वसंत पंचमी उत्सव में

हर बार बड़े उत्साह से वसंत पंचमी का उत्सव मनाने वाले सोहम का इस बार मन सही नहीं था। असल में उसके पास पहनने के लिए पीली ड्रेस नहीं थी। दोस्तों को जब यह बात पता चली तो उन्होंने

अनंत बोला, 'रुको, मेरे पास आईडिया है।' यह कहते हुए वह बहुत तेजी से अपने घर की ओर भागा और पीले रिबन, पीला चाट पेपर, फ्लैटर और स्टार स्टिकर्स लेकर लौटा। सारा उछल पड़ी। 'वाह! अब हम

कविता
डॉ. नागेश पांडेय 'संजय'

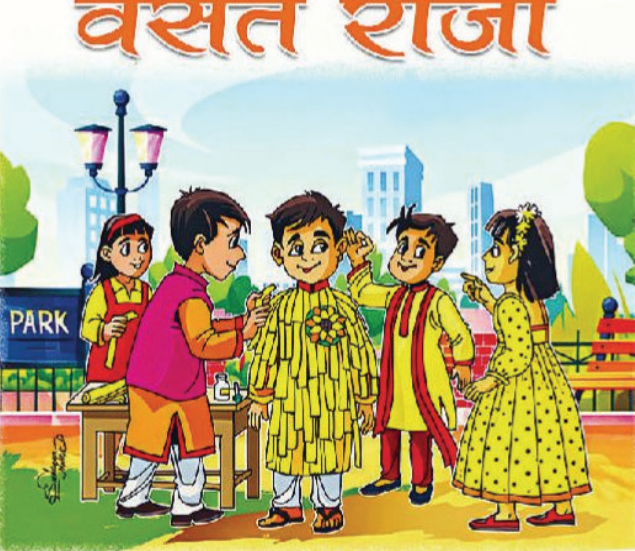
छपकर आई 'हम हैं सैनिक भारत के' किताब में 101 देशभक्ति की भावना से भरी हुई कविताएं संकलित हैं। इसके रचनाकार डॉ. वेद मित्र शुक्ल हैं। इस किताब में ज्यादातर कविताएं, भारत के वीर सैनिकों, स्वाधीनता सेनानियों और भारतीय सेना के अदम्य साहस पर लिखी गई हैं। पहले खंड में तुम उन परमवीर चक्र विजेता सैनिकों के बारे में कविताएं पढ़ सकते हो, जिन्होंने अलग-अलग युद्धों में



दिया। इनके अलावा वीर सेनानी महापुरुष, भारत की सेनाएं, राष्ट्रीय पर्व, प्रयाण गीत समेत कुछ अन्य खंडों में भी ओज से भरी अनेक देशभक्ति की कविताएं पढ़ सकते हो। बच्चों, इस किताब में संकलित देशप्रेम में रंगी इन प्यारी-प्यारी कविताओं को पढ़कर निश्चित ही तुम्हारे मन में देशभक्ति की भावना का संचार होगा। तुम भी अपने देश के विकास और उसकी सुरक्षा में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित होगे। *
किताब: हम हैं सैनिक भारत के (बाल कविताएं), लेखक: डॉ. वेद मित्र शुक्ल, मूल्य: 395 रूपए, प्रकाशक: सर्वभाषा प्रकाशन, नई दिल्ली

सबसे आगे रहने वाला सोहम इस बार शांत था। कॉलेजी के पार्क में बच्चे वसंत उत्सव की तैयारी में लगे थे। वे रंग-बिरंगे रिबन, पीले फूलों की झालरें लगा रहे थे, लेकिन सोहम के भीतर कोई उमंग-उत्साह नहीं दिख रहा था। यह देखकर आयुष ने पूछा, 'अरे सोहम, वसंत पंचमी का त्योहार है और तुम ऐसे उदास क्यों हो?' सोहम नजरें झुकाते हुए बोला, 'ऐसा कुछ नहीं है, बस यू ही शांत हूँ।' सारा तुरंत बोली, 'ऐसा कुछ नहीं क्या...? तुम तो वसंत पंचमी उत्सव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हो। याद है, पिछले साल तुमने सबसे बड़ी रंग-बिरंगी पूंछ वाली पतंग उड़ाई थी।' सोहम धीरे से बोला, 'इस बार मन नहीं है।' लेकिन ऐसा क्यों, उसने दोस्तों को इसकी वजह नहीं बताई।

साहम का पाल रंग का छटा स एसा लगाया कि वह वसंत रंगों बन गया। वासंती रंग में रंगी दोस्तों की एक प्यारी-सी कहानी।



सोहम दोस्तों को देखकर चौंका, 'अरे, तुम लोग यहाँ!' आयुष ने आगे बढ़कर सोहम के कंधे पर हाथ रखा और प्यार से पूछा, 'सच-सच बताओ दोस्त, तुम वसंत उत्सव कार्यक्रम में क्यों नहीं आया?' सोहम थोड़ा रुका, फिर धीमी आवाज में बोला, 'मेरे पास वसंत उत्सव में पहनने के लिए पीली ड्रेस नहीं है। इस महीने घर में बहुत ज्यादा खर्चा था, इस वजह से मम्मी-सारा भी बोली, 'हां, सोहम के बिना वसंत पंचमी का उत्सव फीका लग रहा है।' कियारा बोली, 'चलो, उसके घर चलते हैं। जानते हैं कि वह वसंत उत्सव में क्यों नहीं आया?' तीनों सोहम के घर पहुंचे।

स्वयं बनाएंगे वसंत राजा सोहम को वसंत पंचमी ड्रेस। सबसे यूनिफ़ॉर्म ड्रेस होगी यह। कॉलेजी के पार्क की बेंच पर बैठकर बच्चों ने ड्रेस डिजाइनिंग शुरू की। अनंत ने पीले-पीले रिबन काट-काटकर उसके कंधों पर लगाए। कियारा ने उसके सीने पर एक सूरजमुखी के शेष का ब्रोच भी लगा दिया। सारा ने ग्लिटर से लिखा-वसंत राजा। सोहम ने जब अपनी नई ग्लिटर थोड़ी टढ़ी और चमकदार ड्रेस पहनी तो वह आश्चर्यचकित रह गया, बोला, 'सच में क्या मैं वसंत राजा बना रहा हूँ?'

आयुष बोला, 'अरे, तुम राजा क्या चलती-फिरती वसंत की बहार हो।' सब खिलखिला कर हंस पड़े। वसंत पंचमी कार्यक्रम शुरू हुआ। मंच पर ड्रेस शो के लिए बच्चों को बुलाया जाने लगा। एनाउंसर ने एनाउंस किया, 'और अब आ रहा है हमारा वसंत राजा!' स्मॉलटाइट जैसे ही सोहम पर पड़ी लोग उछल पड़े। कार्यक्रम स्थल तालियों से गूंज उठा। एक अंकल बोले, 'इतनी क्रिएटिव ड्रेस डिजाइनिंग किसने की है?' आयुष, सारा, अनंत और कियारा एक साथ बोले, 'हमने!' फिर सोहम ने माइक पर आकर बताया, 'मेरे दोस्तों ने मुझे अहसास कराया कि त्योहार पर दोस्त साथ हों तो कभी कोई फीका नहीं पड़ सकता। खुशियों से खिल उठता है।' इसी बीच जजमेंट ने ऐलान किया, 'वसंत पंचमी की बेस्ट ड्रेस का पुरस्कार सोहम को मिलेगा।' पूरा कार्यक्रम स्थल एक बार फिर तालियों से गूंज उठा। बच्चे भी खुशी से नाच उठे। *



लो, वसंत की ऋतु आई है!

लगे परी-सी धरती रानी,
देख इसे लेही हैरानी।
निखर उठी है अगम छटा से
आज अनेखी प्रकृति सुगनी।
पेड़ झूमते हैं मस्ती में,
झली-झली बोरदाई है।
लो वसंत की ऋतु आई है।
फूलों से लदे गए बगीचे,
गौर फिरते आंखें गोबे।
यों लगता है जैसे श्रंखर,
भू पर भर-भर खुशी झलीवे।
शहद सरीखे इस मौसम का
रंग-ढंग सब सुखदाई है।
लो, वसंत की ऋतु आई है।
नाच रही गेहूं की बाली,
झूम रही सरसों गतवाली।
देख नगारा पीध चने के
हंस-हंस बना रहे हैं ताली।
कोयलिया का गीत, हवा की
सरगम सबके मन भाई है।
लो वसंत की ऋतु आई है।

बूझो तो जानें
1 वर्ष के प्रथम माह में आर्य, धुमराग से मजदूरी जाती, लागू हुआ इस दिन संविधान, बहारा हमारा मान-सम्मान।
2 विद्ये की जो शोभा बलाए, गतिशीलता का प्रतीक बन जाए, चौबीस तीव्रिया जिसमें समाए, बताओ बच्चों, वह क्या कहलाए।
3 एक रंग है साहस का, दूना शांति का कहलाए, तीजा रंग है उदरता का, देता की शान है मना जाता।
-नरिण सोडवाल

जीके विज-189
1. इस साल गाणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि कौन होंगे?
2. इस वर्ष कौन-सा गाणतंत्र दिवस मनाया जाएगा?
3. आज भारत के किस महान स्वधीनता सेनानी की जयंती है?
4. भारतीय सेना दिवस कब मनाया जाता है?
5. हाल ही में सोनाहन राखिमान पर्व किस राज्य में मनाया गया?
6. भारत का संविधान किस वर्ष लागू हुआ था?
7. भारतीय संविधान की झपिटन कनिटी के अध्यक्ष कौन थे?
8. भारतीय संविधान में कितने मूल अधिकार शामिल हैं?
9. संविधान सभा के प्रथम अध्यक्ष कौन थे?
10. राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' किसने लिखा था?
बच्चों, जीके विज-189 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे।

जीके विज-188 का उत्तर: 1.उत्तर प्रदेश, 2.सोनाई मारिजने, 3.जस्टिस सूर्यकांत, 4.दिल्ली, 5.अल्बर्ट आइंस्टाईन, 6.अमेजन वर्षा वन, 7.महाराष्ट्र, 8.जम्मू कश्मीर, 9.सहारा, 10.जवाहरलाल नेहरू
जीके विज-188 का सही उत्तर देने वाले: कबीर-हिसार, ऊर्जवती-सारांगद बिलाईगढ़, शुभम-दुर्गा, गुंजा-रायपुर, सचिन-बिलासपुर, हर्ष-रोहतक, रचित-बिलासपुर, काव्या-बमेतरा, सूरज-रायगढ़, किशुक-महासमुद्र, प्राची-बालोद

रंग भरो-194



रंग भरो-194 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चों के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय
भूमि-भोरेली मंडी, अमोल-बमेतरा, आरान-जाजगीर, वेतन-दुर्ग, विद्या-महेन्द्रगढ़, कल्पित-बलोद, कुह-बिलासपुर, रेश्या-बिलासपुर, खुशी-मिर्जापुर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, रावेरा-धमरडी, अक्षित-गुना, सौमन-रोहतक, हार्दित-करेवा

रंग भरो 195

बच्चों, इस ब्लॉक एड क्विज चित्र में दो बच्चे टिपलिक-डे के अवसर पर हमारे नेशनल फ्लैग को सैल्यूट कर रहे हैं। इस चित्र को मनवाहें रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सभ्रिष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना नाम और पता हमें इस पते पर भेजें: सापटक - पीएच, हरिभूमि कवरीवाल, 129, टासपोर्ट सेक्टर, पंजाबी बाग, परिचय दिल्ली, नई दिल्ली-110035 या ई-मेल आईडी balbhoombh@gmail.com पर भेजें।

2 टन कोयला व परिवहन में प्रयुक्त ट्रेक्टर सहित 2 गिरफ्तार



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। चोरी का कोयला व परिवहन में प्रयुक्त ट्रेक्टर सहित 2 व्यक्ति को जिले की बसदेई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बताया गया है कि बीते शुक्रवार को चौकी बसदेई पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि कुसमुसी तरफ से एक जोन डियर ट्रेक्टर बिना नंबर में अवैध रूप से ग्राम रगदा के बेला राजवाड़े अपने झईवर के साथ चोरी का कोयला लोड कर रगदा की ओर आ रहा है। सूचना पर बसदेई पुलिस ने ग्राम रगदा में घेराबंदी कर कुसमुसी की ओर से आ रहे उक्त ट्रेक्टर को रोकवाया जिसमें पत्थर कोयला लोड था, कोयला संबंधी दस्तावेज की मांग किए जाने पर बेला राजवाड़े व संजय राजवाड़े ग्राम रगदा द्वारा कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। कोयला चोरी का होने के पूर्ण अंदेश पर धारा 35(1-घ)/303(2) बीएनएसएस के तहत कार्यवाही कर 2 टन कोयला कीमत करीब 10 हजार रुपये, परिवहन में प्रयुक्त बिना नंबर ट्रेक्टर जप्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पृच्छा पर आरोपियों ने बताया कि भास्करपारा ओपन कास्ट माईन्स से कोयला चोरी कर बिक्री करने हेतु ला रहे थे। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी बसदेई योगेन्द्र जायसवाल, प्रधान आरक्षक महेन्द्र सिंह व टीम सक्रिय रही।

स्टेडियम में हुआ गणतंत्र दिवस समारोह का अंतिम फुल ड्रेस रिहर्सल

0 जिले के मेधावी छात्र आयुष देवांगन ने निर्भाई मुख्य अतिथि की भूमिका
0 नन्ही आरूषि के मनमोहक नृत्य ने मोहा सबका मन



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। गणतंत्र दिवस पर आयोजित होने वाले जिला स्तरीय समारोह का अंतिम फुल ड्रेस रिहर्सल शनिवार सुबह स्टेडियम ग्राउंड में संपन्न हुई। रिहर्सल कार्यक्रम कलेक्टर एस. जयवर्धन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति व निर्देशन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र आयुष देवांगन ने मुख्य अतिथि की भूमिका निभाई। समारोह की गरिमा और सुव्यवस्थित आयोजन

सुनिश्चित करने हेतु कलेक्टर द्वारा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। रिहर्सल के दौरान जिले के शासकीय एवं निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इस रिहर्सल कार्यक्रम में नर्सरी कक्षा की नन्ही छात्रा आरूषि के मनमोहक नृत्य ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। कलेक्टर श्री जयवर्धन ने नन्ही कलाकार को खुले मंच से प्रशंसा करते हुए उसका उत्साहवर्धन किया। इसके साथ ही विभिन्न टुकड़ियों द्वारा आकर्षक मार्च-पास्ट प्रस्तुत कर

अनुशासन एवं समर्पण का परिचय दिया गया। रिहर्सल कार्यक्रम को देखने बड़ी संख्या में जिले के नागरिक, विद्यार्थी तथा अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।
सांसद चिंतामणि महाराज
होंगे मुख्य अतिथि
26 जनवरी को यहां के अग्रसेन स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में सांसद चिंतामणि महाराज मुख्य अतिथि होंगे। समारोह के दौरान प्रातः 9 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा, जिसके पश्चात् 11:30 बजे तक सांस्कृतिक एवं विविध

कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से कलेक्टर एस. जयवर्धन द्वारा जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले आयुष देवांगन को मुख्य अतिथि की भूमिका में आमंत्रित किया गया, जो निश्चित रूप से अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा। 77वें गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर जिले के विकास को दर्शाती विभागीय झांकियां भी निकाली जाएंगी। साथ ही विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा।

हवस का शिकार बनी नाबालिग छात्रा ने जिला अस्पताल में दिया बच्चे को जन्म

0 परिचित व्यक्ति ने बनाया था बच्ची को हवस का शिकार 0 आरोपी भेजा गया जेल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। नौवीं कक्षा की एक नाबालिग छात्रा ने बच्चे को जन्म दिया है। जिससे फिलहाल सखी सेंटर में रखा गया है लेकिन जच्चा बच्चा के भविष्य को लेकर अभी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। चाइल्ड लाइन के अधिकारी पीड़ित परिवार से सम्पर्क बनाये हुए हैं लेकिन किसी नतीजे पर नहीं पहुँचे हैं। पीड़ित बच्ची के परिचित के हवस का शिकार बनी है। जिसमें आरोपी को जेल भेज दिया गया है। हालांकि सूत्रों के अनुसार आरोपी का परिवार जच्चा बच्चा को अपनाते कई तरह के हथकंडे अपना रहा है। जिससे पीड़ित परिवार दुविधा में है। बताया गया है कि बसदेई चौकी क्षेत्र के एक गांव में कक्षा 9 वीं की छात्रा को उसके घर आने जाने वाले शख्स ने अपनी हवस का शिकार बना लिया। परिजनों को इसकी जानकारी होने के बाद पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज कराई गई जिस पर पुलिस ने आरोपी मोहम्मद आजम को सुनसैंगत धाराओं के तहत

जेल भेज दिया है। इधर दुष्कर्मी पीड़ित छात्रा ने यहां जिला अस्पताल में एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया है। डॉक्टरों के अनुसार नाबालिग अवस्था और समय से पहले बच्चे का जन्म डॉक्टरों के लिए चुनौती थी हालांकि दोनों की हालत अब ठीक है। मामले की जानकारी लगने के बाद चाइल्ड लाइन ने जच्चा बच्चा को अपनी निगरानी में लेकर सखी सेंटर में रखा है परंतु जच्चा बच्चा के भविष्य को लेकर दुविधा की स्थिति बनी हुई है। जिस बच्ची की अभी खुद की पढ़ने लिखने और खेलने की उम्र थी उसी उम्र में उसे एक बच्चा पालने की जिम्मेदारी आ जाने से यह सवाल खड़ा हो गया है कि दोनों के भविष्य का क्या होगा...? परिजन भी अभी कोई निर्णय लेने की स्थिति में नहीं है। इधर सूत्रों के अनुसार आरोपी का परिवार भी अनेक तरह के हथकंडे अपना कर पीड़ित परिवार पर दबाव बनाये हुए है। जिससे कानूनी लाभ ले सके।

11 कुण्डीय विष्णु महायज्ञ व भागवत कथा की गूँज से क्षेत्र हुआ भक्तिमय

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। इन दिनों विधायक भूलन सिंह मरावी का गृहग्राम पटना इन दिनों भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक चेतना से सराबोर है। ग्राम पंचायत पटना स्थित पावन गंवाहा सरना प्रांगण में 19 जनवरी से आयोजित श्री श्री 11 कुण्डीय विष्णु महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ ने गांव सहित आसपास के पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का संचार कर दिया है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु यज्ञ स्थल पर पहुंचकर पूजा-अर्चना कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। इस विराट धार्मिक आयोजन में श्री श्री 108 नागा बाबा रामदास महाराज वाराणसी तथा श्रीमद् भागवतार्च्य अरुणाचार्य महाराज श्रीधाम वृन्दावन का

पावन सानिध्य प्राप्त हो रहा है। यज्ञीय मंत्रोच्चारण और संतों के प्रवचनों से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। आयोजन के अंतर्गत प्रतिदिन पटना स्थित पावन गंवाहा सरना प्रांगण में 19 जनवरी से आयोजित श्री श्री 11 कुण्डीय विष्णु महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ ने गांव सहित आसपास के पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का संचार कर दिया है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु यज्ञ स्थल पर पहुंचकर पूजा-अर्चना कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। इस विराट धार्मिक आयोजन में श्री श्री 108 नागा बाबा रामदास महाराज वाराणसी तथा श्रीमद् भागवतार्च्य अरुणाचार्य महाराज श्रीधाम वृन्दावन का

है। कार्यक्रम के अनुसार 26 जनवरी को महायज्ञ की पूर्णाहुति एवं श्रीमद् भागवत कथा का समापन होगा, जबकि 27 जनवरी को तर्पण एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। यह धार्मिक आयोजन प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी की पहल एवं मार्गदर्शन तथा ग्रामवासियों के सहयोग से संपन्न हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्षों से चली आ रही यह धार्मिक परंपरा इस वर्ष अपने शिखर पर पहुंच गई है। आयोजन के माध्यम से क्षेत्रों को भाव-विभोर कर रहा है। वहीं रात्रि में श्रीराम लीला का भव्य मंचन श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना हुआ



शासन-प्रशासन के प्रयासों से जरूरतमंद को मिला अपना पक्का आवास

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। हर परिवार का सपना होता है, अपना पक्का आवास और इन्हीं सपनों को हकीकत में बदल रही है प्रधानमंत्री आवास योजना। रामानुजगंज नगर के वार्ड क्रमांक-5, चंद्रशेखर वार्ड निवासी श्री दीपक केशरी का भी पक्के आवास का सपना जो वर्षों

तक आर्थिक अभाव के कारण अधूरा था। लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) ने उनके इस सपने को हकीकत में बदल दिया। श्री दीपक केशरी पूर्व में अपने परिवार के साथ कच्चे मकान में निवासरत थे। उनका जीवन कठिन परिस्थितियों में गुजर रहा था।

नयनपुर में किया गया फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। शनिवार को समीपस्थ ग्राम नयनपुर में स्व.बाबूराम नारायण सिंह एवं शिवनारायण स्मृति फुटबॉल नाकआउट प्रतियोगिता 2026 का शुभारंभ किया गया। जिसमें प्रथम मैच अनुजनगर एवं शिवसागरपुर के मध्य खेला गया। शुभारंभ मैच के अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती योगेश्वरी लक्ष्मण राजवाड़े मौजूद रहे। जबकि अध्यक्षता जनपद सदस्य लक्ष्मण राजवाड़े ने किया। विशिष्ट अतिथि के तौर पर नयनपुर सरपंच श्रीमती मुन्नी सिंह, गिरवराज सरपंच हरी सिंह, पंचिरा सरपंच श्रीमती सुन्दरमनी मिंज एवं ग्राम लिलसिवां सरपंच श्रीमती विमला सिंह उपस्थिति रही। जिनके आतिथ्य में प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। आयोजन को लेकर गांव में उत्साह का माहौल है और बड़ी संख्या में ग्रामीण इस आयोजन के शुभारंभ मौके पर उपस्थित रहे।

छ.ग. प्रदेश किसान कांग्रेस ने राज्यपाल के नाम जिला प्रशासन को सौपा ज्ञापन

धान खरीदी की तिथि बढ़ाने सहित किसानों के हित में की 7 सूत्रीय मांग

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। प्रदेश में धान खरीदी की समस्याओं के निराकरण एवं किसानों की सात सूत्रीय मांगों को लेकर छ.ग. किसान कांग्रेस ने राज्यपाल के नाम शुक्रवार को यहां जिला प्रशासन को ज्ञापन सौपा है। किसान कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष विमलेश दत्त तिवारी के नेतृत्व में सौपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि प्रदेश में वर्तमान में धान खरीदी की प्रक्रिया में व्याप्त भारी अव्यवस्था, प्रशासनिक उदासीनता और सरकार की दोषपूर्ण नीतियों के कारण प्रदेश का किसान स्वयं को असहाय, अपमानित और उगा हुआ महसूस कर रहा है। किसानों के व्यापक हित को देखते हुए सात सूत्रीय मांगों पर तत्काल संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार को उचित दिशा-निर्देश जारी करने का आग्रह किया गया है।

यह है मांगे
धान खरीदी की अवधि में वृद्धि, धान खरीदी की प्रक्रिया अभी भी अपूर्ण है और बड़ी संख्या में किसान अपनी उपज

प्रति क्विंटल की दर से तत्काल एकमुश्त भुगतान सुनिश्चित किया जाए। जिन किसानों के टोकन अब तक लंबित है या काट दिए गए हैं, उन्हें आगामी 7 दिनों के भीतर प्राथमिकता से टोकन जारी कर उनके एक-एक दाने की खरीदी सुनिश्चित की जाए, वन पट्टा धारक किसानों के लिए धान बेचने की प्रक्रिया में आ रही तकनीकी दिक्कतों को दूर कर तत्काल प्रभाव से सुचारू व्यवस्था की जाए, गिरदावरी रिपोर्ट के नाम पर रकबा कटौती और सत्यापन के बहाने किसानों का मानसिक उत्पीड़न तुरंत बंद किया जाए तथा टोकन सत्यापन के बहाने प्रशासनिक अमले द्वारा किसानों के घरों और कोठारों में जाकर धान की जांच करना उनके आत्मसम्मान पर गहरी चोट है। इस अपमानजनक प्रक्रिया को तत्काल प्रभाव से रोकने को

मांग की गई है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि यदि शासन प्रशासन इस कुंभकर्णी नौद से जागकर हमारी न्यायोचित मांगों पर तत्काल कार्यवाही नहीं करती है, तो प्रदेश किसान कांग्रेस लोकतांत्रिक तरीके से 28 जनवरी को पूरे प्रदेश में उग्र आंदोलन एवं प्रदर्शन करने के लिए विवश होगी। आग्रह किया गया है कि अन्नदाता के स्वाभिमान और उनके अधिकारों के पक्ष में आपके न्यायपूर्ण निर्णय की प्रतीक्षा है। ज्ञापन सौपने के दौरान किसान कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष विमलेश दत्त तिवारी के साथ किसान कांग्रेस के प्रदेश महासचिव दीपन मानिकपुरी, जिलाध्यक्ष सचेन्द्र पाठक, देवेश राजवाड़े प्रदेश सचिव, ब्लाक अध्यक्ष प्रेमनगर बसराज सिंह, ब्लाक अध्यक्ष रामानुजगंज बालेश्वर नेताम, शहरी ब्लाक नुरुस्ताम एवं संदीप अग्रिया शामिल थे।

कार्यालय कलेक्टर (महिला एवं बाल विकास शाखा)
संयुक्त जिला कार्यालय प्रथम तल कक्ष क्रमांक-14 एवं 15
जिला: सूरजपुर (छ.ग.)

क्र./ 3808 / मवावि / सावि / 2025-26 सूरजपुर दिनांक 20.01.2026

विज्ञापन
मिशन शक्ति अन्तर्गत "शक्ति सदन" के संचालन हेतु
संविदा स्वीकृत पदों पर नियुक्ति हेतु विज्ञापन

भारत सरकार द्वारा एकीकृत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम अंतर्गत महिलाओं के सुरक्षा, संरक्षण एवं सशक्तिकरण हेतु एक अम्बेला योजना "मिशन शक्ति" की शुरुआत की है। मिशन शक्ति के के दिशा निर्देशों के अनुसार शक्ति सदन अंतर्गत स्वीकृत 09 संविदा पदों की पूर्ति हेतु आवेदन दिनांक-20.01.2026 से 06.02.2026 तक ऑनलाइन वेबसाइट <https://wcd.e-bharti.in/surajpur> के माध्यम से आवेदन आमंत्रित है। पदों की नियुक्ति एवं आवेदन प्रक्रिया का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.0	पदनाम	पद संख्या	आरक्षित वर्ग				कुल	संविदा नियमानुसार मासिक वेतनमान
			अना 0	अन्य रिजर्व वर्ग	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति		
1	आवासीय अधीक्षक	1	1	0	0	0	1	20900
2	कार्यालय सहायक	1	1	0	0	0	1	16310
3	बहुउद्देशीय सहायक	2	1	0	0	1	2	11720
4	रसोईयां	2	1	0	0	1	2	6135 अर्धकालीन संविदा
5	सुरक्षा गार्ड/चौकीदार	3	1	1	0	1	3	11360
योग (प्रति शक्ति सदन)			9	5	1	0	3	9

➤ उपरोक्त सभी पद महिला पद हैं। उक्त पदों हेतु महिला उम्मीदवार ही आवेदन करें।
➤ 0800शासन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा आयु सीमा पर छूट हेतु जारी निर्देश लागू माने जायेंगे।
उपरोक्त पदों की शैक्षणिक योग्यता, अनुभव, कार्य दायित्व एवं अन्य विवरण जिले की वेबसाइट www.surajpur.gov.in पर उपलब्ध है। विज्ञापन अनुसार ऑनलाइन आवेदन दिनांक 06.02.2026 तक ऑनलाइन पोर्टल <https://wcd.e-bharti.in/surajpur> पर की जा सकती है, एवं ऑनलाइन भरे आवेदन एवं दस्तावेजों को रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से दिनांक-20.02.2026 तक कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग जिला-सूरजपुर को उपलब्ध कराना होगा।

• ऑनलाइन आवेदन एवं ऑफलाइन आवेदन पत्रों/दस्तावेजों में यदि कोई भिन्नता पाई जाती है तो ऑनलाइन आवेदन पत्र को ही मान्य किया जावेगा।

जिला कार्यक्रम अधिकारी
महिला बाल विकास विभाग
जिला: सूरजपुर (छ.ग.)

जी-252606230/1

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग,
कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
जल संसाधन संभाग क्र. 2. रामानुजगंज

Main Portal: <http://egeprocurement.gov.in>
WRD Portal: wrd.egeprocurement.gov.in

निविदा निरस्तीकरण सूचना

आदेश कलंक 45/व.ले.लि./2025-26 रामानुजगंज, दिनांक 29/01/2026

संभागीय कार्यालय के निविदा सूचना क्र. 11/व.ले.लि./2025-26 दिनांक 17.11.2025 सिस्टम क्र. 178221 (प्रथम आमंत्रण) कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी उपसंभाग एवं सिंचाई कालोनी बाइकनगर योजना कार्य जी नम्बर 252604837, दिनांक 20/11/2025 में निविदाकार निरंक एवं निविदा सूचना क्र. 05/व.ले.लि./2025-26, दिनांक 13.11.2025, सिस्टम क्र. 179265 (प्रथम आमंत्रण) जोशी जलाशय योजना का जीर्णोद्धार कार्य में एकल निविदाकार होने के कारण निविदा निरस्त किया जाता है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग क्र. 2. रामानुजगंज,
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)
कृते- मुख्य अभियंता
हसदेव गंगा कछार, जल संसाधन विभाग
जी-252606249/1 अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

कृषि मंत्री ने डौरा-कोचली धान खरीदी केंद्र का किया औचक निरीक्षण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम ने आज विकासखण्ड बलरामपुर के धान खरीदी केंद्र डौरा-कोचली का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने खरीदी व्यवस्था, किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, तौल मशीनों, मापक उपकरणों और धान उपाजन से जुड़ी प्रत्येक प्रक्रिया का सूक्ष्म निरीक्षण किया। मंत्री श्री नेताम ने धान खरीदी केंद्र में उपस्थित किसानों से चर्चा कर खरीदी व्यवस्था और

जरूरतों के बारे में जानकारी ली। किसानों ने बताया कि शासन की ओर से की गई व्यवस्थाएँ सुचारू रूप से

सरकार किसानों के धान की समयबद्ध, पारदर्शी और व्यवस्थित खरीदी के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं को देखते हुए हमारी सरकार के द्वारा सभी धान खरीदी केंद्रों में लिमिट बढ़ा दी गई है। इसलिए आप सभी किसान निश्चित रहें। सरकार के द्वारा सभी पंजीकृत किसानों की धान खरीदी की जाएगी। साथ ही उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसानों की उपज का सही मूल्य दिलाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी गड़बड़ी की स्थिति में तुरंत कार्यवाही सुनिश्चित हो।



संपर्क करें
समाचार, ईशतहार, विज्ञापन
हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरुद्वारा के पास बाबूपारा
अम्बिकापुर
मो. 9713108088
8719000259

कोरिया फ्रंटलाइन

धूमधाम से मनाई गई बसंत पंचमी व नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती

छ.ग.फ्रंटलाइन
मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। शहर के मानक शिक्षण संस्थान, दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, मनेन्द्रगढ़ में पराक्रमी नायक, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती धूमधामपूर्वक मनाई गई। यह पराक्रम दिवस छात्रों के हृदयों में देशभक्ति की ज्वाला प्रज्वलित करने वाला एक ऐतिहासिक अवसर सिद्ध हुआ इसके साथ आज वसंत पंचमी का पर्व भी अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह पर्व ज्ञान, कला और संस्कृति की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती को समर्पित है। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती तथा भारत माता के वीर सपूत नेताजी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पण के साथ हुआ। इसके पश्चात शिक्षिकाओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया गया, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो गया। इसी क्रम में कक्षा छठवीं की छात्रा तनीषा ने पराक्रम दिवस की विशेषता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आज ही के दिन हम नेताजी सुभाष चंद्र बोस जैसे महान राष्ट्रनायक को नमन करते हैं, जिनका जीवन त्याग, साहस, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की अनुपम मिसाल है। तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा यह केवल एक नारा नहीं है, बल्कि देश के लिए सर्वस्व अर्पण करने का संकल्प था।



नेताजी ने युवाओं को यह सिखाया कि सच्ची देशसेवा कर्म और साहस से होती है, केवल शब्दों से नहीं। इसी क्रम में कक्षा सातवीं की छात्रा अक्षरा ने वसंत पंचमी के अवसर पर माता सरस्वती के चरणों में संस्कृत श्लोक का वाचन किया जिसका हिंदी अनुवाद त्रिवेणी पैकरा ने किया, तत्पश्चात कक्षा चौथी के छात्र वसन्त पंचमी के अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए विद्यालय को बताया कि वसंत पंचमी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि ज्ञान, सृजन और नवचेतना का उत्सव है। यह दिन हमें माँ सरस्वती की कृपा से अपने जीवन को विवेक, विनम्रता और विद्या से आलोकित करने की प्रेरणा देता है। प्राचार्य डॉ. बसंत कुमार तिवारी ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज का यह शुभ अवसर हमारे विद्यालय परिवार के लिए अत्यंत गौरव और प्रेरणा से परिपूर्ण है। आज हम एक साथ ज्ञान की आराधना के पर्व वसंत

उन्होंने सिद्ध किया कि दृढ़ संकल्प से असंभव को संभव बनाया जा सकता है। उनके %दिल्ली चलो% के उद्घोष ने लाखों हृदयों में स्वतंत्रता की ज्वाला प्रज्वलित की, जो आज भी हमें प्रेरित करती है। प्रिय बच्चों, नेताजी हमें सिखाते हैं कि कठिनाइयों से घबराना नहीं, अपितु उनका डटकर मुकाबला करना चाहिए इसके साथ ही हम माता सरस्वती के विशेष पर्व वसंत पंचमी भी मना रहे हैं जो यह संदेश देता है कि वसंत पंचमी केवल ऋतु परिवर्तन का संकेत नहीं है, बल्कि यह नवचेतना, नवसंकल्प और नवउत्साह का पर्व है। इस दिन हम माँ सरस्वती, ज्ञान, बुद्धि और विवेक की अधिष्ठात्री देवी की आराधना करते हैं। यह पर्व हमें यह स्मरण कराता है कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह हमारे विचारों, आचरण और चरित्र में भी परिलक्षित होनी चाहिए। आइए हम सब आज माँ सरस्वती से ज्ञान की उजास और नेताजी से कर्तव्यनिष्ठा व निर्भीकता की प्रेरणा लें और अपने जीवन को राष्ट्रहित में समर्पित करने का संकल्प करें। उन्होंने इस सुंदर एवं सार्थक आयोजन के लिए विद्यालय परिवार को हार्दिक बधाई प्रेषित की और माता सरस्वती से सभी विद्यार्थियों के उज्वल, संस्कारित एवं सफल भविष्य की कामना की। संस्था की

निदेशिका श्रीमती पूनम सिंह ने इस विशेष अवसर पर विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि आज का दिन आपको यह संदेश देता है कि ज्ञान और पराक्रम, जब एक साथ जुड़ते हैं, तभी एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण होता है। आप सभी में अपार संभावनाएं हैं, आवश्यकता है केवल उन्हें पहचानने, निखारने और सही दिशा में उपयोग करने की। श्रीमती सिंह ने विद्यार्थियों से आग्रह करते हुए कहा कि माँ सरस्वती से सद्बुद्धि और ज्ञान का आशीर्वाद लें तथा नेताजी से निडरता, आत्मविश्वास और देशप्रेम की प्रेरणा प्राप्त करें। इस विशेष प्रातः सभा के समापन के पश्चात छात्रों को प्रसाद वितरण किया गया। माँ सरस्वती के सद्बुद्धि, विवेक और सचरित्रता के आशीर्वाद और नेताजी से निडरता, आत्मविश्वास और राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा के साथ इस विशेष पर्व का समापन हुआ।

जीरामजी अधिनियम-2025 से ग्रामीण भारत में विकास को मिलेगी नई दिशा: स्वास्थ्य मंत्री



छ.ग.फ्रंटलाइन
मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रस्तावित वीबी जीरामजी अधिनियम- 2025 ग्रामीण भारत में खुशहाली और समृद्धि के नए द्वार खोलेगा। यह मिशन सशक्तिकरण, विकास, कवचर्जस और संचुरेशन जैसे मजबूत सिद्धांतों पर आधारित है, जिसके तहत महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के उन्नत स्वरूप को लागू करने की दिशा में ठोस पहल की जा रही है। योजना के अंतर्गत अब ग्रामीण श्रमिकों को 100 दिनों के स्थान पर 125 दिनों के रोजगार की कानूनी गारंटी देने का प्रावधान किया गया है। जल सुरक्षा, मूलभूत

ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर, आजीविका संवर्धन और आपदा-निवारण जैसे चार प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष फोकस किया गया है। इसी क्रम में एमसीबी जिले के अमृतधारा लाई में वीबीजी राम जी जनजागरण अभियान के तहत जिला कार्यशाला एवं जिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल शामिल हुए। इस दौरान पाट्य पुस्तक निगम अध्यक्ष राजा पांडे, अनिल सिंह मेजर, जिला प्रभारी बाबूलाल अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती चंपा देवी पावले सहित जिला के भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यशाला को संबोधित

करते हुए स्थानीय विधायक व स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि वीबी जीरामजी अधिनियम ग्राम पंचायतों को विकास का केंद्र बनाएगा। ग्राम पंचायतों में इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और गांवों की आय में स्थायी वृद्धि होगी। यह योजना 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि तकनीक की मदद से ग्राम सभाओं द्वारा तैयार की जाने वाली विकसित ग्राम पंचायत योजनाएं पीएम गति शक्ति के अंतर्गत प्रभावी रूप से लागू होंगी, जिससे गांव आत्मनिर्भर और भविष्य के लिए तैयार बन सकेंगे।

दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने राज्य स्तरीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में लहराया परचम

छ.ग.फ्रंटलाइन
मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। एमसीबी जिले के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने परीक्षा पर चर्चा, वर्ष -2026 कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता जो कि भारत सरकार एवं केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई थी में, सफलता का परचम लहराया। परीक्षा का केंद्र केंद्रीय विद्यालय इग्नाराखंड था। शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्टता की ओर अग्रसर दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल के लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है कि परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विद्यालय के विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर सफलता का परचम लहराया है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में परीक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित



करना, तनावमुक्त होकर अध्ययन की आदत को प्रोत्साहित करना तथा उनके ज्ञान, तार्किक क्षमता और आत्मविश्वास को सुदृढ़ करना था। विद्यालय के प्रतिभाशाली छात्र- छात्राओं ने अपनी सूझ-बूझ, गहन अध्ययन और त्वरित निर्णय क्षमता का परिचय देते हुए विभिन्न चरणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया तथा प्रथम स्थान पर कक्षा आठवीं के छात्रा मनीषा एस.ने., द्वितीय स्थान पर कक्षा छठवीं के छात्र व्योम मिश्रा ने और तृतीय स्थान पर कक्षा सातवीं की छात्रा शानवी केशरवानी ने कब्जा जमाते हुए निर्णायकों से भरपूर प्रशंसा

आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर युवा संगम कार्यक्रम आज

छ.ग.फ्रंटलाइन
मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) अपने स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देशभर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। इसी क्रम में मनेन्द्रगढ़ नगर में आज रविवार को युवा संगम कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसका उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रचेतना, जागरण और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना है। संघ पदाधिकारियों के अनुसार यह कार्यक्रम विशेष रूप से 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के युवक और युवतियों को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को राष्ट्रनिर्माण, सामाजिक दायित्व और वैचारिक जागरूकता से जोड़ने का प्रयास किया जायेगा। युवा संगम कार्यक्रम का आयोजन

25 जनवरी 2026 दिन रविवार को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक किया जायेगा। कार्यक्रम का स्थान श्री श्याम हेरिटेज चैनपुर मनेन्द्रगढ़ निर्धारित किया गया है। संघ के नगर और खंड स्तर के कार्यकर्ताओं ने अधिक से अधिक युवाओं से इस कार्यक्रम में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है। आयोजकों का कहना है कि शताब्दी वर्ष में आयोजित यह कार्यक्रम युवाओं को दिशा देने वाला और प्रेरणादायक सिद्ध होगा। कार्यक्रम में स्वामी विवेकानन्द के विचारों को केंद्र में रखते हुए युवाओं को जागृत करने का प्रयास किया जायेगा। आयोजकों ने विश्वास जताया है कि यह आयोजन मनेन्द्रगढ़ क्षेत्र के युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण वैचारिक मंच साबित होगा।

सेजेश कटगोडी में विधार्थी एवं शिक्षकों के द्वारा साक्षरता रैली निकाली गई

छ.ग.फ्रंटलाइन
सोनहत। विकास खंड सोनहत के कटगोडी सेजेश स्कूल में छात्र छात्राओं एवं शिक्षकों द्वारा चौबीस जनवरी को साक्षरता रैली निकाली गई शिक्षा के जागरूकता के माध्यम से बालिका एवं महिला शिक्षा को प्रोत्साहन करना और साथ ही निरक्षर व्यक्तियों को प्रोत्साहित करना एवं छबीस जनवरी को गणतंत्र दिवस में उल्लास मेला रखा गया शिक्षा नीति 2020 के अनुसार उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत विकसित भारत हेतु पंद्रह वर्ष से अधिक उम्र के वयस्कों को सशक्त बनाना है इसके तहत बुनियादी साक्षरता एवं जीविकोपार्जन का अवसर मिलना आर्थिक और जीवन पर्यंत शिक्षा के अवसरों को नई उड़ान देना मिशन प्राधिकरण रायपुर एवं कलेक्टर कोरिया



तथा मुख्य कार्य पालन अधिकारी जिला पंचायत कोरिया के आदेशानुसार जिले अंतर्गत समस्त स्कूलों पंचायतों में उल्लास मेले का आयोजन छबीस जनवरी को किया जाना है समस्त नव साक्षर तथा परीक्षा महाअभियान मे सफल बुनियादी साक्षरता होकर उल्लास मेले का उद्देश्य विभिन्न स्टाल के तैयार कर व्यवसायिक अनुभव के माध्यम से सीखने का अवसर प्राप्त करना संख्यात्मक ज्ञान के

अलावा जीवन कौशल को कैसे बेहतर बनाना है जानकारी प्रदान की जानी है इस रैली में सेजेश कटगोडी के प्राचार्य बीरेंद्र बहादुर तिवारी के अलावा ईशवर राजवाड़े उमेश पटेल एंजुलेश टोप्यो स्वाति जिपाटी अंजु ठाकुर गलोरिया बड़ा गायत्री मुरारी चंद्र वती शिक्षार्थी सम्मिलित होकर उल्लास मेले का उद्देश्य विभिन्न स्टाल के तैयार कर व्यवसायिक अनुभव के माध्यम से सीखने का अवसर प्राप्त करना संख्यात्मक ज्ञान के

मुख्यमंत्री ने कोतबा को दी विकास की बड़ी सौगात

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विधानसभा क्षेत्र पथलगांव अंतर्गत नगर पंचायत कोतबा में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र को विकास की बड़ी सौगात दी। इस दौरान उन्होंने कुल 51 करोड़ 73 लाख रुपये की लागत से पूर्ण होने वाले 28 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री के इस दौर से पथलगांव विधानसभा क्षेत्र प्रसिद्ध कोतबा और आसपास के ग्रामीण अंचलों में बुनियादी सुविधाओं, स्वास्थ्य, सड़क, शिक्षा और पेयजल व्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाना है। सुदूर और

आदिवासी अंचलों में अधोसंरचना विकास, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, सुगम आवागमन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि इन कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र के नागरिकों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आएगा। कोतबा में मुख्यमंत्री द्वारा 27 करोड़ 24 लाख रुपये की लागत से 19 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। इनमें पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत ग्राम दोकड़ा में मिनी स्टेडियम, मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना के तहत पुलिया निर्माण, लोक निर्माण विभाग द्वारा विभिन्न सड़कों एवं पहुंच मार्गों का

निर्माण, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा परियोजना कार्यालय सह संसाधन केंद्र भवन, तथा कोतबा में 50 बिस्तरीय नवीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण प्रमुख है। इसके साथ ही सेतु निर्माण उपसंभाग द्वारा उच्चस्तरिय पुल एवं पहुंच मार्ग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के तहत शासकीय उद्यान रोपणी कार्यालय व आवास भवन, आदिम जाति कल्याण विभाग अंतर्गत धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत बागबहार एवं बुलडेगा में कन्या आश्रम एवं लुडेग में प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास, मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं ग्राम गौरव पथ योजना के तहत सी.सी. सड़क व नाली निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों

बचपन प्ले स्कूल में धूमधाम से मनाई गई सरस्वती पूजा

छ.ग.फ्रंटलाइन
मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। बसंत पंचमी के पवन अवसर पर विद्यालय परिवार में विद्या की देवी माँ सरस्वती की पूजा बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर विद्यालय को सुंदर फूलों, रंग-बिरंगे गुब्बारों एवं आकर्षक सजावट से सजाया गया। पूजा कार्यक्रम में विद्यालय के डायरेक्टर प्रिंसिपल शिक्षिकाएं एवं, छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। पूजा विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ सम्पन्न की गई। विद्यार्थियों ने माँ सरस्वती से ज्ञान, बुद्धि और उज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों

द्वारा भजन, सरस्वती वंदना एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी दी गईं, जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया। संस्था की कार्डसलर श्रीमती सोनाली दास ने छात्र-छात्राओं को बताया की माँ सरस्वती विद्या की देवी हैं उनसे हमें विद्या बुद्धि विवेक की प्राप्ति होती है उन्होंने बताया कि माँ सरस्वती को पीला रंग पसंद है इसीलिए हमें इस दिन पीले रंग के वस्त्र पहनना चाहिए। अंत में सभी छात्र-छात्राओं को खिचड़ी

का महाप्रसाद वितरण किया गया तथा सभी ने माँ सरस्वती से शिक्षा एवं संस्कार के मार्ग पर आगे बढ़ने का आशीर्वाद प्राप्त किया। विद्यालय प्रबंधन ने सभी को सरस्वती पूजा की शुभकामनाएं दीं। पूजन कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय की शिक्षिकाओं साधना सिंह वैष्णवी जायसवाल, आरिका खान, वी साई प्रीति, शिल्पी सिन्हा, रेखा दोहरे, रक्षा यादव, प्रियंका सिंह, महक सोनी, रश्मि प्रसाद, पूजा सोंधिया, सबा परवीन, रुचि सेन, सोम्या सेन, सुनीता राय, नंदिनी साहू, फरहीन बानो आदि का सराहनीय योगदान रहा।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री के हाथों जशपुर जिले के मेधावी विद्यार्थियों को राजभवन में मिला सम्मान

जशपुरनगर। राज्यपाल रमन डेका के मुख्य आतिथ्य में 10वीं एवं 12वीं के 239 मेधावी विद्यार्थियों को राजभवन में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने की एवं स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में पूरे प्रदेश में जशपुर जिले के सर्वाधिक 33 विद्यार्थी सम्मानित हुए हैं। कलेक्टर रोहित व्यास, सीईओ जिला पंचायत अभिषेक कुमार और जिला शिक्षा अधिकारी पीके भटनागर ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी हैं। संकल्प शिक्षण संस्थान के 18 विद्यार्थियों को यह सम्मान मिला है। जिसमें संकल्प शिक्षण संस्थान जशपुर से 14, संकल्प शिक्षण संस्थान कुनकुरी से 01 और संकल्प शिक्षण संस्थान पथलगांव से 03 विद्यार्थी रहे।

पूरे प्रदेश में 2023-24 में प्रथम स्थान पर रहने वाली जशपुर जिले की सिमरन शबा और 2024-25 में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले नमन खुंटिया को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डप में माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित इस प्रतिभा सम्मान समारोह में पंडित निन्दयाल उपाध्याय मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना के तहत डेढ़ डेढ़ लाख रुपए से विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वर्ष 2024 के 110 और वर्ष 2025 के 129 टापर विद्यार्थियों को पुरस्कार दिए गए। जिसमें विशेष पिछड़ी जनजाति के विद्यार्थी भी शामिल हैं। इस वर्ग में संकल्प की अगोस्ता वनवासी और अम्बीराज पहाड़िया, सेजेश बगीचा की अंकिता सम्मानित हुए हैं।